दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत RNI-UPHIN/2009/30721

सोमवार 01 दिसंबर 2025
सूर्योदय प्रात: 06:56 बजे
सूर्यास्त सांय 17:24 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

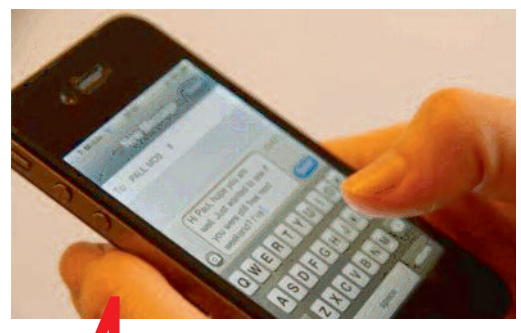

पृष्ठ 4 मेसेंजर की अनाम आत्माएँ और समाज का विवर्तन

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 045 | गाजियाबाद, सोमवार 01 दिसंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

अब सीनियर वकील किसी भी बेंच के सामने मामलों का नहीं करेंगे मौखिक उल्लेख

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने सीनियर वकीलों को किसी भी बेंच के सामने मामलों का मौखिक उल्लेख करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने स्थगन और तत्काल मामलों की लिस्टिंग के लिए प्रक्रिया तय करने वाला एक सर्कुलर जारी किया है। इसके मुताबिक जमानत या जमानत रद्द करने, मृत्युदंड, हेबियस कॉर्पस, विध्वंस या अंतरिम राहत से संबंधित सभी नए मामले अगले दो कार्य दिवसों में लिस्ट किए जाएंगे। इसमें साफ कहा गया है कि किसी भी कोर्ट के समक्ष मौखिक उल्लेख के लिए किसी सीनियर वकील को इजाजत नहीं दी जाएगी। इसके बजाय, युवा जूनियर वकीलों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सर्कुलर में कहा गया है कि अगर कोई मामला अत्यंत तत्काल प्रकृति का हो, जैसे अग्रिम जमानत, मृत्युदंड, हेबियस कॉर्पस, बेदखली या विध्वंस से जुड़ा और तय तारीख पर लिस्टिंग का इंतजार न कर सके, तो प्रोफॉर्मा के साथ एक पत्र अधिकारी को सुबह 10:30 बजे से पहले देना होगा। अनावश्यक स्थगनों को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से भी कोर्ट ने निर्देश दिए हैं।

वाइस एडमिरल संजय साधु ने युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण नियंत्रक का संभाला पदभार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। वाइस एडमिरल संजय साधु, एवीएसएम, एनएम ने युद्धपोत उत्पादन और अधिग्रहण नियंत्रक के रूप में पदभार ग्रहण किया। वाइस एडमिरल 1987 में भारतीय नौसेना में शामिल हुए। ये मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर और रक्षा एवं सामरिक अध्ययन में एमफिल हैं। अपने 38 वर्षों से भी अधिक के शानदार करियर के दौरान इन्होंने कई प्रमुख ऑपरेशनल, स्टाफ और यार्ड पदों पर कार्य किया है। उन्होंने विमानवाहक पोत आईएनएस विराट पर विभिन्न पदों पर और अग्रिम पंक्ति के युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र और आईएनएस दूनागिरी पर भी कार्य किया है। फ्लैग रैंक पर पदोन्नति से पहले उन्होंने नौसेना डॉकयार्ड (मुंबई) में अतिरिक्त महाप्रबंधक (उत्पादन), नौसेना पोत मरम्मत यार्ड (कारवार) के कमोडोर अधीक्षक और नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली में प्रधान निदेशक समुद्री इंजीनियरिंग सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।

मुर्शिदाबाद में विदेशी नागरिकों को पनाह देने के आरोप में 13 लोग गिरफ्तार

✷ वेबवार्ता. कोलकाता ✷। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद पुलिस ने बिना वैध पहचान दशतावेज वाले विदेशी नागरिकों को पनाह देने के आरोप में 12 बांग्लादेशी समेत 13 लोग गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कल रात हुर्शी ग्राम पंचायत के चार गोपालपुर गांव में छापेमारी के दौरान 13 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें बारह बांग्लादेशी नागरिक और एक भारतीय नागरिक शामिल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी मिलने के बाद कि चार गोपालपुर गांव में बिना किसी वैध दशतावेजों के विदेशी नागरिकों को पनाह दी जा रही है, इलाके में एक अभियान शुरू किया।

तमिलनाडु तट के करीब पहुंच रहा है चक्रवाती तूफान दितवा

✷ वेबवार्ता. चेन्नई ✷। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान दितवा तमिलनाडु तट के करीब पहुंच रहा है। मौसम विभाग ने कई जिलों में बहुत भारी से बहुत ज्यादा बारिश का अनुमान जताया है और अगले दो दिनों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किए हैं। तमिलनाडु के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन ने कहा कि कई दक्षिणी और दक्षिण तटीय जिलों में भारी बारिश से आम जनजीवन ठप हुआ है हालांकि अब तक कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है।

इंडिगो ने ए 320 विमानों पर अपडेट का काम पूरा किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

ए320 परिवार के विमानों पर फ्लाइट कंट्रोल की समस्या से संबंधित सॉफ्टवेयर अपडेट का काम इंडिगो ने पूरा कर लिया जबकि एयर इंडिया ने भी शनिवार देर रात तक 90 प्रतिशत काम पूरा होने की सूचना दी है।

जेटब्लू की उड़ान 1230 में 30 अक्टूबर को हुई घटना के बाद एयरबस ने दुनिया भर में ए320 परिवार (ए319, ए320 और ए321) के कई संस्करणों के लिए अनिवार्य अपडेट संबंधी मशविरा जारी किया है। यह समस्या विमान के फ्लाइट कंट्रोल से संबंधित है। इसके बाद, पहले यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) और फिर डीजीसीए ने एयरलाइंस के लिए निर्देश जारी किये हैं।

भारत में तीन विमान सेवा कंपनियों इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास ए320 परिवार के विमान हैं। इनमें जिन 338 विमानों की पर अपडेट की जरूरत है उनमें 200 इंडिगो के पास, 113 एयर इंडिया के पास और 25 एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास हैं। इंडिगो ने शनिवार देर रात बताया कि उसके सभी 200 प्रभावित विमानों में अपडेट का काम पूरा हो चुका है। एयर इंडिया ने भी 90 प्रतिशत विमानों में अपडेट का काम पूरा होने की जानकारी दी। वहीं, शनिवार शाम 5.30 बजे तक एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 17 विमानों पर अपडेट का काम पूरा कर लिया था।

अपडेट से पहले इन विमानों के उड़ान भरने पर प्रतिबंध के कारण शनिवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस की कम से कम चार उड़ानें रद्द हुई थीं जबकि एयर इंडिया और इंडिगो ने किसी उड़ान के रद्द होने की सूचना नहीं है हालांकि कुछ उड़ानों में देरी जरूर हुई है।

जेटब्लू का कानकुन से नेवार्क जा रहा विमान उड़ान के दौरान अचानक कुछ देर के लिए काबू से बाहर हो गया जिससे 15 यात्री घायल हो गये। पायलट ने बताया कि विमान के कंट्रोल उस तरह से काम नहीं कर रहे थे जैसे करने चाहिये।

पर्यटन के लिए वीजा मुक्त यात्रा का रोजगार के लिए दुरुपयोग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए करीब 68 देशों ने भारतीयों के लिए वीजा नियम आसान किए हैं और एक दर्जन से अधिक देशों ने वीजा-फ्री एंट्री की सुविधा दी है। लेकिन नौकरी के उद्देश्य से इनका दुरुपयोग होने के कारण अब इन सुविधाओं के खत्म होने के आसार बन गए हैं। सूत्रों के अनुसार, ऐसे कई देश विदेश मंत्रालय के संपर्क में हैं और वे भारतीयों के लिए वीजा मुक्त प्रवेश को बंद करना चाहते हैं। हालांकि, वीजा नियम तय करना संबंधित देश का आंतरिक मामला होता है।

फोरेंसिक के बेहतर अनुप्रयोग से आपराधिक न्याय प्रणाली और मजबूत होगी : प्रधानमंत्री

✷ वेबवार्ता. रायपुर ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस महानिदेशकों-महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय 'विकसित भारत : सुरक्षा आयाम' है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पुलिस के बारे में लोगों की धारणा बदलने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए पुलिस को पेशेवर, संवेदनशील और उत्तरदायी बनाना होगा।

उन्होंने शहरी पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने, पर्यटक पुलिस को पुनर्जीवित करने और औपनिवेशिक काल के आपराधिक कानूनों के स्थान पर नव अधिनियमित भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस और व्यापक प्रशासन को निर्जन द्वीपों को एकीकृत करने के लिए नवीन रणनीतियां अपनाने, नेटग्रिड के अंतर्गत एकीकृत डेटाबेस का प्रभावी उपयोग करने और कार्रवाई योग्य जानकारी उत्पन्न करने के लिए एआई के माध्यम से इन प्रणालियों को जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को पुलिस जांच में फोरेंसिक के उपयोग पर केस स्टडी करने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया और कहा कि फोरेंसिक के बेहतर अनुप्रयोग से आपराधिक न्याय प्रणाली और मजबूत होगी।

उन्होंने प्रतिबंधित संगठनों की नियमित निगरानी के लिए तंत्र स्थापित करने, वामपंथी उग्रवाद से मुक्त क्षेत्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने और तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नवीन मॉडल अपनाने के महत्व पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए एक समग्र सरकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें प्रवर्तन, पुनर्वास और सामुदायिक स्तर पर हस्तक्षेप को एक साथ लाया जाए। सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा के विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

विजन 2047 की दिशा में पुलिस व्यवस्था के दीर्घकालिक रोडमैप, आतंकवाद-रोधी और कट्टरपंथ-रोधी गतिविधियों में उभरते रुझान, महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने, विदेशों में रह रहे भारतीय भगोड़ों को वापस लाने की रणनीतियों और प्रभावी जांच एवं अभियोजन सुनिश्चित करने के लिए फोरेंसिक क्षमताओं को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री ने मजबूत तैयारियों और समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया और पुलिस प्रमुखों से चक्रवात, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपात स्थितियों के लिए प्रभावी आपदा प्रबंधन तंत्र को सुदृढ़ करने का आग्रह किया।

उन्होंने जोर दिया कि ऐसी घटनाओं के दौरान जीवन की सुरक्षा और न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय योजना, वास्तविक समय समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और समग्र सरकारी दृष्टिकोण आवश्यक हैं।

चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रोग्राम की समय सीमा बढ़ाई, अब 14 फरवरी तक होगा पुनरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रोग्राम की समय सीमा एक सप्ताह के लिए बढ़ाकर 14 फरवरी तक कर दी है।

यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जबकि संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार 1 दिसंबर से शुरू हो रहा है। संसद में एसआईआर को लेकर हंगामा होने की संभावना लगातार जताई जा रही है। इससे पहले चुनाव आयोग ने अपने तीन पन्नों के आदेश में बताया कि पोल अधिकारियों को वोटरों की ड्राफ्ट लिस्ट पब्लिश करने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है। पहले यह प्रक्रिया 4 दिसंबर तक पूरी होनी थी और ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी। अब वोटर लिस्ट की गिनती 11 दिसंबर तक खत्म होगी, जबिक ड्राफ्ट लिस्ट 16 दिसंबर को जारी होगी और फाइनल वोटर लिस्ट 14 फरवरी 2026 को पब्लिश की जाएगी।

समय सीमा बढ़ाने का कारण बीएलओ पर बढ़ते दबाव को बताया जा रहा है। विपक्षी पार्टियों, खासकर तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात कर एसआईआर प्रक्रिया को रीशेड्यूल करने का आग्रह किया था। उनका कहना था कि यह काम घर-घर जाकर पूरा किया जा रहा है और अधिकारियों पर बहुत तंग शेड्यूल में अत्यधिक दबाव है। रिपोर्ट्स में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से अनेक बीएलओ की आत्महत्या की खबरें भी सामने आई हैं। चुनाव आयोग ने अनुमान लगाया है कि एसआईआर एक्सरसाइज के तहत ड्राफ्ट लिस्ट से लगभग 35 लाख वोटर्स हटाए जा सकते हैं।

शीतकालीन सत्र आज से, मोदी सरकार पेश कर सकती है ये अहम बिल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार 1 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलने वाला है। कुल 15 बैठकों वाले इस सत्र में सरकार कुछ महत्वपूर्ण विधेयकों को पेश करने की योजना पर कार्य कर रही है।

इन महत्वपूर्ण बिलों में दिवाला कानून, बीमा कानून, सिक्योरिटीज मार्केट, कॉर्पोरेट कानून, राष्ट्रीय राजमार्ग, उच्च शिक्षा आयोग, एटॉमिक एनर्जी, जीएसटी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सेस बिल शामिल हैं। इसके अलावा, फाइनेंशियल बिजनेस के तहत पूरक अनुदान मांगों पर चर्चा और अनुमोदन भी किया जाएगा।

शीतकालीन सत्र से पहले सरकार ने रविवार को सभी दलों की बैठक बुलाई, जिसमें इस बार के विधायी एजेंडा पर चर्चा हुई। विपक्ष इस दौरान चुनावी रोल संशोधन (एसआईआर), दिल्ली ब्लास्ट और विदेश नीति से जुड़े मुद्दों को उठाने की तैयारी में है, लेकिन सरकार का फोकस विधायी कार्यों पर रहेगा।

सरकार द्वारा इस सत्र में पेश किए जाने वाले प्रमुख बिलों में जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2025, इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) (संशोधन) विधेयक, 2025, नेशनल हाइवेज (संशोधन) विधेयक, 2025, कॉरपोरेट लॉज (संशोधन) बिल, 2025, सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड बिल, 2025, इंश्योरेंस लॉज (संशोधन) बिल, 2025, एटॉमिक एनर्जी बिल, 2025, हायर एजुकेशन कमिशन ऑफ इंडिया बिल, 2025 और आर्बिट्रेशन एंड कंसिलिएशन (संशोधन) बिल, 2025 शामिल हैं। इन बिलों के साथ ही, वर्ष 2025-26 के लिए प्रथम पूरक अनुदान मांगें भी संसद में पेश और अनुमोदित की जाएंगी।

चक्रवात 'दितवाह' : भारतीय वायुसेना ने श्रीलंका में फंसे कई देशों के नागरिकों को निकाला

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

श्रीलंका में चक्रवात दितवाह ने भारी तबाही मचाई है। इस तबाही के बीच भारतीय वायुसेना श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का राहत और बचाव अभियान चला रही है। इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत भारतीय वायुसेना ने श्रीलंका में फंसे कई देशों के नागरिकों को निकालने का काम किया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि श्रीलंका में भारत के चल रहे ऑपरेशन सागर बंधु के तहत भारतीय वायुसेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टरों ने श्रीलंका में फंसे लोगों को निकाला, जिनमें जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, स्लोवेनिया और यूनाइटेड किंगडम के नागरिक शामिल थे।

इससे पहले भारतीय वायु सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि आईएएफ के हेलीकॉप्टरों ने एक प्रतिबंधित क्षेत्र से फंसे यात्रियों को निकालने के लिए एक हाइब्रिड बचाव अभियान चलाया।

एक गरुड़ कमांडो को समूह को देश भर के राश्ते कोटमाले स्थित एक पूर्व-निर्धारित हेलीपैड तक पहुंचाने के लिए नीचे उतारा गया, जहां से 24 यात्रियों, जिनमें भारतीय, विदेशी नागरिक और श्रीलंकाई शामिल थे, को कोलंबो पहुंचाया गया। इसी क्रम में तीन गंभीर रूप से घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए कोलंबो ले जाया गया। वायुसेना के मुताबिक, श्रीलंका के कोटमाले क्षेत्र में भूस्खलन और प्रतिकूल मौसम की परिस्थितियों के कारण एक प्रतिबंधित क्षेत्र में यात्री फंस गए थे। भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने इन लोगों को निकालने के लिए एक हाइब्रिड रेस्क्यू मिशन संचालित किया।

भारतीय वायुसेना के एक गरुड़ कमांडो को यहां विन्च की सहायता से हेलीकॉप्टर से नीचे उतारकर समूह को दुर्गम इलाके से निकालकर पूर्व-निर्धारित हेलिपैड तक सुरक्षित ले जाया गया। इसके बाद हेलीकॉप्टरों ने 24 यात्रियों को रेस्क्यू किया। बचाए गए इन यात्रियों में भारतीय नागरिक, विदेशी नागरिक और श्रीलंकाई शामिल थे।

आतंकी और उनके ठिकानों के खिलाफ भारत-यूके के जवान बने 'अजेय वॉरियर्स'

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत और यूनाइटेड किंगडम की सेनाओं ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण युद्धाभ्यास को अंजाम दिया है। इस युद्धाभ्यास में कॉम्बैट कंडीशनिंग, हेलिबोर्न ऑपरेशन, और आतंकवादियों के ठिकाने में घुसकर कार्रवाई जैसे अहम मिशनों को अंजाम दिया गया है।

यह अभियान आतंकवाद-रोधी अभियानों पर केंद्रित था। आतंकवाद-रोधी अभियान अर्ध-शहरी क्षेत्रों में संचालित किए गए। भारत व यूके की सेनाओं द्वारा किए गए इस संयुक्त सैन्य अभ्यास का नाम 'अजेय वॉरियर-25' था। यह अभ्यास रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। सेना के मुताबिक, भारतीय भूमि पर यह युद्धाभ्यास दो सप्ताह तक चला।

युद्धाभ्यास संयुक्त राष्ट्र के नियमों के तहत संचालित किया गया। यह इस युद्धाभ्यास का 8वां संस्करण था जिसमें दोनों देशों की सेनाओं के कुल 240 सैनिकों ने भाग लिया। यह युद्धाभ्यास राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में किया गया।

रेंज में अभ्यास के दौरान भारतीय सेना की सिख रेजिमेंट तथा यूके सेना की रॉयल गोरखा राइफल्स के जवानों ने उच्च स्तरीय संयुक्त प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसमें सामरिक युद्धाभ्यास हेलिबोर्न ऑपरेशन, आतंकवादियों के ठिकाने में घुसकर कार्रवाई जैसे मिशनों को अंजाम दिया गया है। इसके अलावा दोनों देशों के जवानों ने कॉर्डन-एंड-सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान परिचालन योजना एवं संयुक्त ब्रीफिंग की गई। अभ्यास के अंतिम सत्यापन चरण में दोनों सेनाओं द्वारा प्राप्त उत्कृष्ट इंटरऑपरेबिलिटी, सटीकता और संयुक्त संचालन क्षमता स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हुई। समापन समारोह में दोनों देशों के सैनिकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जवानों को सम्मानित किया गया। समापन कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत के तहत विकसित स्वदेशी हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन भी किया गया।

'अजेय वॉरियर-25' ने भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच मजबूत रक्षा सहयोग को और अधिक सुदृढ़ किया। भारतीय सेना के मुताबिक, दोनों देशों की सेनाओं ने वैश्विक शांति और सुरक्षा के प्रति साझा प्रतिबद्धता को पुन रेखांकित किया।

भारत और ब्रिटेन के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'अजेय वॉरियर-25' 17 नवंबर को शुरू हुआ था। यह द्विपक्षीय अभ्यास 30 नवंबर तक जारी रहा। इस अभ्यास में भारतीय सिख रेजिमेंट के जवान शामिल हुए, जो अपनी वीरता, अनुशासन और युद्ध-कौशल के लिए प्रसिद्ध हैं।

ब्रिटिश सेना के चयनित सैनिकों के साथ संयुक्त प्रशिक्षण से इंटरऑपरेबिलिटी को और अधिक सुदृढ़ करने का लक्ष्य रखा गया था। यहां दोनों देशों के सैनिकों ने अर्ध-शहरी और जटिल इलाकों में आतंकवाद-रोधी अभियानों का वास्तविक अनुभव हासिल किया।

दोनों देशों के जवानों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल विशेष प्रकार से तैयार किए गए थे। इन मॉड्यूल ने आधुनिक युद्धक्षेत्र की चुनौतियों का वास्तविक रूप प्रस्तुत किया। दोनों सेनाओं ने ब्रिगेड-स्तरीय संयुक्त मिशन योजना, इंटीग्रेटेड टैक्टिकल ड्रिल्स व सिमुलेशन आधारित परिचालन परिदृश्य में भी सहयोग किया।

महायुति में तीखी हुई लड़ाई

एकनाथ शिंदे की अधिकारियों को चेतावनी

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में विधानसभा और लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने वाले साथियों के बीच में नगर निकाय चुनाव लड़ने की वजह बन रहे हैं। पहले महाविकास अघाड़ी के बाद अब महायुति में भी मन मुटाव साफ दिखने लगा है। शनिवार को अधिकारियों को चेतावनी देते हुए महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने कहा कि अगर उनके कार्यकर्ताओं को परेशान किया गया या अन्याय किया गया तो उनके गुस्से का सामना करना होगा।

उप मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी उस समय आई जब सिंधुदुर्ग पुलिस ने शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के विधायक निलेश राणे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। राणे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक समर्थक के घर में ''अनाधिकृत तरीके से प्रवेश'' करने का आरोप है। राणे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक समर्थक के घर पर ''छापा'' मारा और दावा किया था कि उन्हें नगर निकाय चुनाव से पहले मतदाताओं को बांटने के लिए नकदी से भरे बैग मिले।

एसआईआरः सचिन पायलट ने साधा निशाना

टोंक, एजेंसी।
कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने एसआईआर (मतदाता सूची सुधार अभियान) और कर्नाटक की राजनीतिक स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनकी यह यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि चुनाव आयोग ने सभी फॉर्म 4 दिसंबर से पहले भरने की समयसीमा तय की है। पायलट ने कहा, 'वे चाहते हैं कि एसआईआर यहीं जल्दी पूरी हो जाए, जैसे बिहार में किया गया। लेकिन हम इसमें सावधानीपूर्वक कार्रवाई कर रहे हैं। मैंने हमेशा देखा है कि भाजपा के नेता, गृहमंत्री और प्रधानमंत्री कहते रहे हैं कि अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना जरूरी है। अगर कोई अवैध रूप से देश में रह रहा है, तो उसे देश से

बाहर निकाला जाए। लेकिन मुझे बताइए, पिछले 11 वर्षों में भारतीय सरकार ने कितने अवैध प्रवासियों को देश से निकाला? '

सचिन पायलट ने आगे कहा, 'चुनाव आते हैं और प्रवासियों का नाम लेते हैं, लेकिन आखिर में किसके वोट काटने की कोशिश हो रही है? गरीब, पिछड़े, दलित और आदिवासी। संविधान ने इन लोगों को अधिकार दिए हैं, और अगर उनके नाम हटाए जाते हैं, तो लोकतंत्र में इससे बड़ा पाप और क्या होगा। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए मेहनत करनी चाहिए कि 18 वर्ष से अधिक उम्र का हर नागरिक, जिसे वोट का अधिकार है, उससे कोई वंचित न हो। यह देश में पहली बार एसआईआर नहीं हो रहा है। कई बुनियादी स्तर के अधिकारी मानसिक दबाव में आकर आत्महत्या कर रहे हैं। इसलिए मैं कहता हूं कि काम निष्पक्ष तरीके से होना चाहिए। '

कर्नाटक में मुख्यमंत्री के खिलाफ चल रहे विवाद पर पायलट ने कहा, 'जो आप देख रहे हैं और सुन रहे हैं, मामला कुछ और है। दोनों, राज्य अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ने सरकार बनाने के लिए मेहनत की। वे इसे साथ में चला रहे हैं और साथ में इसे दोबारा सफल बनाएंगे।' सचिन पायलट ने यह भी जोर देते हुए कहा कि चुनावी प्रक्रिया में निष्पक्षता और सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए।

पूछा- 11 साल में कितने अवैध प्रवासी बाहर निकाले गए?

बी.एल.ओ. और सभासद पति ने वार्ड 21 में लगाया कैम्प

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। वार्ड 21 में एस ई आर फ़ॉर्म भरने को लेकर बीएलओ जुबैर साजिद बी एल ओ जावेद और स्थानीय सभासद पति मोहसिन इलियास ने एक विशेष कैम्प का आयोजन किया। कैम्प में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, जहां बीएलओ ने दशतावेज़ों की जांच कर सही तरीके से एस ई आर फ़ॉर्म भरवाए। अभियान के दौरान सभासद पति मोहसिन इल्यास ने भी पूरे समय मौजूद रहकर लोगों की मदद की। सभासद पति द्वारा कैम्प लगवाकर व्यवस्था संभालना लोगों के बीच सराहना का विषय रहा। टीम ने बताया कि कई लोग एस ई आर फ़ॉर्म से जुड़ी जानकारी न होने के कारण परेशान थे। इसलिए यह कैम्प लगाया गया ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति एस ई आर फ़ॉर्म भरने से वंचित न रह जाए। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल को उपयोगी बताया और सभासद पति मोहसिन इलियास उर्फ़ बब्बू कुरैशी व बीएलओ टीम के प्रयास की प्रशंसा की।

प्रेमी-प्रेमिका ने की आत्महत्या : पेड़ से लटके मिले दोनों के शव

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। चाँदपुर क्षेत्र में सुबह एक प्रेमी-प्रेमिका ने पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि लड़की की आज गोद भराई की रस्म होनी थी। मामला चांदपुर थाना क्षेत्र का है। सुबह जंगल गए एक ग्रामीण ने दोनों के शव पेड़ से लटके हुए देखे। उसने तुरंत गांव में इसकी सूचना दी। परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों को पेड़ से लटका पाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। प्रेमी-प्रेमिका एक ही गांव के रहने वाले थे और बताया जा रहा है कि दोनों सजातीय थे।

मधुमक्खी के काटने से एक व्यक्ति के दर्दनाक मौत

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। क्षेत्र के ग्राम बसेड़ा कुंवर के रहने वाले दयाराम शर्मा लगभग 60वर्षीय मधुमक्खी के काटने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार धामपुर क्षेत्र के ग्राम बसेड़ा कुंवर निवासी दयाराम शर्मा उम्र लगभग (60) वर्ष की मधुमक्खी के काटने से मौत हो गई। गाँव वाले व परिजन डॉक्टर के पास ले गये डॉक्टर ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। परिजनो को रो रो कर बुरा हाल है। मृतक के भतीजे तथा ग्रामीणों ने बताया की सुबह 11 बजे यह अपना कुछ कार्य कर घर वापस आ रहे थे तो जब गाँव से बाहर पहुंचे तो इसी दौरान सैकड़ों मधुमक्खियों ने मृतक दयाराम शर्मा पर हमला कर दिया। मधुमक्खी के काटने से वह पूरी तरह घायल हो गये तथा उन्हे परिजन व ग्रामीण उन्हे डॉक्टर के पास ले गये तथा डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे दिन, चार के मुकाबले दो गोल से सिरसी टीम हुई पराजित

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। ऑल इण्डिया फुटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे दिन हुए मेच मे गढ़वाल व सिरसी के बीच मेच हुआ जिसमे कोटद्वार गढ़वाल ने ट्राई ब्रेकर मे 4 के मुकाबले 2 गोल से सिरसी की की टीम को पराजित किया। रविवार को हिंदू इंटर कॉलेज के बराबर में स्थित मैदान पर हुए तीसरे दिन के मैच में ट्राई ब्रेकर मे 4 मुकाबले 2 गोल से सिरसी की टीम को हराकर गढ़वाल कोटद्वार ने मैच जीत लिया। रेफ्री गोहर निसार, लाइनमैन शमशाद मुल्तानी व गोहर निसार रहे। इस मौके पर नगीना फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष राकेश कर्णवाल, सचिव नौशाद अप्पा, कुंवर अमरजीत सिंह, नासिर मुल्तानी, शेख जमशेद, लाला विनोद कुमार अग्रवाल, शाकिर उस्मानी, गफ्फार जहांगीर खलीफा, हाशिम इस्लाम अल्वी, आरिफ मुल्तानी, बाहर आलम, शमशुद्दीन मुल्तानी, अरविन्द उर्फ छोटी, शेख़ जमशेद आदि लोग मौजूद रहे।

ईदारा ए अदब इस्लामी यूनिट ने शानदार शेरी नाशिस्त का आयोजन किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। इदारा-ए-अदब इस्लामी हिंद की जानिब से जिला श्तरीय शेरी नशिश्त का आयोजन काजी सराय स्थित परवेज आदिल माही के निवास गुल्सितान-ए-शाहिद पर किया गया, जिस की अध्यक्षता वरिष्ठ काष्ठ उद्य तिमी इरशाद अली मुल्तानी ने की। संचालन प्रसिद्ध चिकित्सक डा.अहतशाम तिश्ना ने किया, मुख्य अतिथि जमाते इस्लामी हिंद के जिला संयोजक मोहताशिम नौमानी रहे। नशिश्त की शुरूआत हाफिज नगीनवी की तिलावते कुरान मजीद से हुई।

अचानक नहीं खत्म हुई थी सिंधु घाटी सभ्यता

आईआईटी के वैज्ञानिकों का बड़ा दावा

गांधीनगर, एजेंसी।
उन्नत, समृद्ध और बेहद रहस्यमय मानी जाने वाली प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के निशान भारत और पाकिस्तान में पाए जाते हैं। यह आज भी रहस्य बना हुआ है कि आखिर इतनी उन्नत सभ्यता गायब कैसे हो गई? हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, लोथल और राखीगढ़ी तक इस सभ्यता के नमूने पाए गए हैं। सभ्यता के खात्मे को लेकर अब तक कई तरह के दावे किए गए हैं। इनमें महामारी, बाढ़, भूकंप और उल्कापात जैसी कई बातें की जाती रही हैं। अब आईआईटी गांधीनगर के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि लंबे समय तक सूखे के प्रकोप के चलते यह सभ्यता नष्ट हो गई।

सिंधु घाटी सभ्यता को सिंधु-सरस्वती सभ्यता के नाम से भी जानते हैं। यह सभ्यता 5000 से 3500 ईसा पूर्व तक फलती-फूलती थी। यह सभ्यता अपने शहरों के लिए जानी जाती है। खुदाई में मिले अवशेषों और शहरों को देखकर पता चलता है कि उनके शहर और पानी निकासी का सिस्टम और सड़कें कितनी उन्नत थीं। इसके अलावा वे धातु का भी उपयोग जानते थे। रोजमर्रा के इस्तेमाल में मिट्टी के बर्तन ही लाए जाते थे। इस सभ्यता के लोग खेती पर निर्भर थे और वे अनाज को लंबे समय तक सुरक्षित रखना भी जानते थे। आईआईटी गांधीनगर में विमल मिश्रा की अगुआई में शोध में पाया गया कि इस सभ्यता को लगातार सूखे का सामना करना पड़ा। सभ्यता का पतन अचानक नहीं हुआ बल्कि यह धीरे-धीरे समाप्त हो गई। 11 पन्ने के रिसर्च पेपर में दावा किया गया है कि पानी की कमी की वजह से ही बहुत सारे लोगों की मौत हो गई और कुछ पलायन भी कर गए। सिंधु सभ्यता सिंधु नदी पर ही आधारित थी। इस पानी से वे खेती करते थे। मॉनसून और मौसम की गतिविधियों में परिवर्तन की वजह से बारिश में 10 से 20 फीसदी की गिरावट आ गई थी। वहीं औसत तापमान 0.5 डिग्री बढ़ गया। 85 साल में कम से कम चार बेहद गंभीर सूखे पड़े। एक बार तो 164 साल का सूखा पड़ गया जिसमें सभ्यता नष्ट हो गई। बारिश कम होने की वजह से नदियां भी सूखने लगी थीं। आर्कियो बोटैनिकल तथ्यों के मुताबिक पानी की कमी की वजह से सिंधु सभ्यता के लोगों ने गेहूं और अन्य अनाजों को छोड़कर दूसरी फसलों को उगाने की कोशिश की लेकिन वे नाकामयाब हो गए। पुरानी झीलों और गुफाओं के सर्वे से पता चलता है कि इस क्षेत्र में पानी की तेजी से कमी हो रही थी।

पति के कनेक्शन का बकाया पत्नी के बिल में जोड़ना गलत, राजस्थान राज्य उपभोक्ता आयोग ने बिजली विभाग को दिया आदेश

जोधपुर , एजेंसी। राजस्थान राज्य उपभोक्ता आयोग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए स्पष्ट किया है कि बिजली विभाग पति के नाम से लिए गए बिजली कनेक्शन की बकाया राशि को पत्नी के अलग कनेक्शन के बिल में जोड़कर नहीं वसूल कर सकता। आयोग ने इसे नियम विरुद्ध और उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन बताया। आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र कच्छवाहा, सदस्य सुरेंद्र सिंह और सदस्य लियाकत अली की पीठ ने यह फैसला बिजली विभाग के जिला उपभोक्ता आयोग जैसलमेर के निर्णय के विरुद्ध दायर याचिका पर सुनाया। मामले में परिवादिया नजमा बानो ने शिकायत की थी कि मार्च, 2021 में उनके बिजली बिल में बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के 1,61,227 रुपये का बकाया जोड़ दिया गया, जो उनके पति नवाबुद्दीन के एक अन्य भूखंड पर लिए गए कनेक्शन से संबंधित था। विभाग ने पति- पत्नी को एक इकाई मानते हुए वसूली को उचित ठहराया। बिजली विभाग का तर्क था कि नजमा बानो के पति द्वारा लिया गया पुराना कनेक्शन भी उसी क्षेत्र में था। जैसलमेर से फैसला उपभोक्ता के पक्ष में आने के बाद जोधपुर डिस्कॉम मामले को जोधपुर उपभोक्ता अदालत में लेकर पहुंचा था। हालांकि आयोग ने विभाग की दलीलें अस्वीकार करते हुए कहा कि पति और पत्नी के दोनों कनेक्शन अलग- अलग परिसरों में स्थित हैं तथा विभाग ऐसा कोई नियम प्रस्तुत नहीं कर सका जिसमें पति के बकाया को पत्नी के बिल में जोड़ने का प्रविधान हो।

भट्टा-पारसौल में किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमे कानूनी प्रक्रिया से वापस होंगे

नोएडा में सिंथेटिक ट्रैक बनेगा

गुरूग्राम, एजेंसी।
केंद्रीय राज्य मंत्री और राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने शनिवार को ग्रेटर नोएडा के दनकौर स्थित किसान आदर्श इंटर कॉलेज में इंडोर स्टेडियम का शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित जनसभा में उन्होंने कहा कि भट्टा-पारसौल में किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमे कानूनी प्रक्रिया से वापस होंगे।

वर्ष 2011 में भट्टा-पारसौल में भूमि अधिग्रहण मामले में आंदोलन हुआ था। इस दौरान हुई हिंसक झड़पों में दो पुलिसकर्मी और दो किसानों की मौत हो गई थी। इसी मामले में किसान लगातार दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग करते आ रहे हैं।

अब केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि किसानों पर दर्ज हुए मुकदमे सिर्फ मेरे कहने से नहीं, बल्कि कानूनी प्रक्रिया से वापस होंगे। इस दौरान उन्होंने स्वस्थ समाज और देश के विकास के लिए बच्चों और युवाओं को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने पर जोर दिया। जयंत चौधरी ने कहा कि खेलों के लिए युवाओं को संसाधन और वातावरण मुहैया कराना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। वह अपनी निधि से स्टेडियमों का निर्माण करा रहे। उनकी निधि से सबसे बड़ा हिस्सा यहां पर लगाया जा रहा। इंडोर स्टेडियम में कुश्ती, कबड्डी सहित अन्य खेलों की सुविधाएं होंगी। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि दनकौर के आसपास नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, विश्वविद्यालय समेत कई बड़ी परियोजनाएं अ रहीं, लेकिन यहां खेल से जुड़ी किसी व्यवस्था पर काम नहीं हुआ। इसलिए प्रबंधन समिति की मांग पर कॉलेज में स्टेडियम बनाने के लिए सांसद निधि से दो करोड़ रुपये दिया गया है। उन्होंने समिति से अपील की है कि इस स्टेडियम का एक धरोहर की तरह निर्माण करें, जिससे कि बच्चे मुक्केबाजी, बैंडमिंटन आदि खेलों में बेहतर प्रदर्शन कर देश के लिए पदक जीत सकें। उन्होंने नोएडा में युवाओं के लिए सिंथेटिक ट्रैक बनाने की घोषणा की। कार्यक्रम में ओलंपिक पदक विजेता बॉक्सर विजेंद्र, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, बिजनौर सांसद चंदन चौहान, जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी सहित अन्य व्यक्ति मौजूद रहे। तत्कालीन मायावती सरकार के कार्यकाल के दौरान 14 मई 2011 को भट्टा-पारसौल में किसानों और प्रशासन के बीच संघर्ष हुआ था।

रामभक्तों को परकोटे के मंदिरों में दर्शन के लिए तीन महीने का करना होगा इंतजार

फिनिशिंग का काम बाकी

अयोध्या, एजेंसी।
राम मंदिर में रामलला के दर्शनार्थियों को मां अन्नपूर्णा सहित परकोटे सभी छह मंदिरों में दर्शन के लिए फिलहाल लंबा इंतजार करना होगा। हालांकि सप्त मंडपम में अगले महीने से दर्शन शुरू हो जाने की संभावना है। फिर भी 30 दिन का वक्त कम है। उसका कारण है कि विराजमान रामलला के अस्थाई मंदिर का अभी निर्माण चल रहा है। इसके अलावा दर्शनार्थियों को दर्शन कराने के लिए बैरीकेडिंग के जरिए लेन भी बनाया जाएगा। इस कार्य में समय लग सकता है। फिलहाल श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने फैसला किया है कि यदि सबकुछ ठीक रहा तो प्रतिष्ठा द्वादशी की तिथि 31 दिसम्बर 2025 से सप्त मंडपम में निर्धारित संख्या में श्रद्धालुओं को पास निर्गत दर्शन कराया जाएगा।

चैत्र नवरात्र में आम श्रद्धालुओं को परकोटे के मंदिरों का दर्शन मिल सकेगा। इसका निर्णय श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने शुक्रवार को राम मंदिर परिसर में कार्यरत कार्यकर्ताओं व कर्मचारियों की बैठक में लिया। बैठक में तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय, न्यासी डॉ. अनिल मिश्र व मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव के अलावा अन्य वरिष्ठ -कनिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में कार्यकर्ताओं से विचार-विमर्श के बाद तय हुआ कि परकोटे के सभी मंदिरों में अभी फिनिशिंग कार्य बाकी है। ध्वजारोहण समारोह की दृष्टि से सफाई कराई गयी थी, लेकिन अवशेष काम जल्द शुरू किया जाएगा।

यदि दर्शन शुरू हो गया तो भीड़ के दबाव में काम करने में कारीगरों व श्रमिकों को असुविधा होगी और एक बार दर्शन शुरू कराने के बाद बंद करना मुश्किल हो जाएगा। बताया गया बारीक कामों को पूरा होने में तीन महीने का समय लग सकता है। इसके कारण चैत्र नवरात्र से पहले यानि मार्च के अंत व अप्रैल में दर्शन शुरू कराया जाएगा।

राम मंदिर में प्रथम तल पर दिव्यांगो व वृद्ध एवं बुजुर्ग श्रद्धालुओं को राम दरबार का दर्शन कराने लिए पश्चिम दिशा में लिफ्ट लगवाई गयी है। यह लिफ्ट प्रथम तल पर कारीडोर में खुलती हैं। करीब 30 मीटर लंबे कॉरिडोर के दोनों तरफ पत्थरों की रेलिंग बनाई गयी है लेकिन छत और रेलिंग के बीच का हिस्सा खुला है। इस खुले स्थान से दुर्घटना की आशंका खारिज हो सकती है। इसके कारण तीर्थ ने निर्णय लिया है कि दोनों तरफ जालियां लगवाई जाए जिससे कारीडोर हवादार भी रहे और सुरक्षा भी हो जाए। इसीलिए तीर्थ क्षेत्र ने फैसला किया है कि यहां टाइटेनियम की जाली लगवाई जाएगी। इसके पहले राम मंदिर के तीनों तल पर खिड़कियों पर टाइटेनियम की ही जालियां लगाई गयी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के आमंत्रित सदस्य व मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव ने कहा कि अभी छोटे-छोटे काफी काम बाकी है। उनको पूरा करने के लिए समय चाहिए। जल्दबाजी में हर काम नहीं किया जा सकता। फिलहाल हम तैयारी कर रहे हैं जैसे ही अनुकूलता दिखाई पड़ेगी।

योजना का लाभ हर घर तक : बिजली कर्मचारी चला रहे जागरूकता अभियान

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (UPPCL) ने "बिजली बिल राहत योजना 2025–26" लागू कर दी है। यह विशेष अभियान 1 दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक संचालित रहेगा। जिसके तहत घरेलू और छोटे व्यावसायिक उपभोक्ताओं को बकाया बिलों पर भारी छूट, ब्याज माफी और किश्तों की सुविधा प्रदान की जाएगी।

योजना के अंतर्गत जिन उपभोक्ताओं के बिजली बिल लंबे समय से बकाया हैं, वे ऑनलाइन पंजीकरण कर इसका लाभ उठा सकते हैं। पंजीकरण के बाद विभाग द्वारा बकाया राशि पर लगाया गया लेट-फी/सरचार्ज 100 प्रतिशत माफ कर दिया जाएगा। यदि उपभोक्ता एकमुश्त भुगतान करते हैं, तो उन्हें मूल राशि पर

पहले महीने 25 प्रतिशत, दूसरे महीने 15 प्रतिशत, और तीसरे महीने 10 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। जो उपभोक्ता पूरा भुगतान एक बार में करने में सक्षम नहीं हैं, उनके लिए विभाग ने किश्तों में भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई है।

योजना LMV-1 (घरेलू—2 kW तक) और LMV-2 (छोटा व्यावसायिक—1 kW तक) श्रेणी के उपभोक्ताओं पर लागू होगी। इससे जिले के हजारों उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है।

योजना को जन-जन तक पहुँचाने के लिए बिजली विभाग डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान चला रहा है। विद्युत कर्मचारी घर-घर जाकर उपभोक्ताओं को राहत योजना की सभी शर्तों, छूट और भुगतान प्रक्रिया के बारे में विश्तार से जानकारी दे रहे हैं। टीम उपभोक्ताओं को ऑनलाइन पंजीकरण, किश्त व्यवस्था और छूट की गणना के बारे में भी बता रही है, ताकि अधिक से अधिक लोग योजना का लाभ ले सकें।

जनपद बिजनौर के उपखंड अधिकारी द्वितीय अरविंद कुमार बिंद ने बताया कि जिले के लगभग 80 हजार उपभोक्ता इस योजना से लाभान्वित हो सकते हैं। जिले में करीब 130 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया है। उन्होंने कहा कि चोरी, विवादित व अन्य श्रेणियों में भी उपभोक्ताओं को बकाया और जुर्माने पर राहत प्रदान की जाएगी। विभाग का कहना है कि इस योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत देना और वर्षों से लंबित बकाया की वसूली को सरल बनाना है।

मां को आशिक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा, बेटे ने गला घोंटकर दोनों को मार डाला

सिरसा, एजेंसी।
हरियाणा के सिरसा में एक व्यक्ति ने अपनी मां और उसके प्रेमी की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद वह अपनी पत्नी के साथ दोनों की लाश लेकर पुलिस थाने पहुंच गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की मां का कथित तौर पर पड़ोसी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। सीनियर अधिकारी ने बताया कि यह घटना गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात को सिरसा के एक गांव में हुई। उन्होंने बताया कि राजकुमार ने अपनी 45 वर्षीय मां और अपने 48 वर्षीय पड़ोसी को घर में आपत्तिजनक हालत में देखा था।

सिरसा सदर पुलिस थाने के प्रभारी उप-निरीक्षक लेखराज ने बताया, 'मां और उसके प्रेमी को आपत्तिजनक स्थिति में देखने के बाद आरोपी ने पत्नी को जगाया और दोनों ने उनका गला घोंट दिया।' लेखराज ने बताया कि शुक्रवार को कुमार लाशों को अपनी पिक-अप जीप में रखा और उन्हें पुलिस स्टेशन ले गया, जहां उसने हत्या की बात कबूल कर ली। पुलिस के मुताबिक, राजकुमार ने बताया कि उसकी मां का पिछले कुछ सालों से उनके पड़ोसी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था।

दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा सब-इंस्पेक्टर लेखराज ने बताया कि आरोपी की पत्नी को बाद में एक रिश्तेदार पुलिस थाना ले आया। उन्होंने बताया कि राजकुमार और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है। लेखराज ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। एक अन्य घटना में, राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले की एक युवती ने अपने फूफा पर यौन शोषण का मामला दर्ज कराया है। युवती 2 नवंबर को संगरिया में अपनी बुआ और फूफा के घर पर आई थी। उसने आरोप लगाया कि उसकी बुआ काम पर चली गई तो घर में अकेले रहने के दौरान फूफा ने उसके साथ जबरदस्ती यौन संबंध बनाए। पीड़िता 7 नवंबर को सिरसा अपने माता-पिता के पास लौट गई। वहां पहुंचकर उसने घरवालों को फूफा की हरकतों के बारे में पूरी जानकारी दी।

बकायेदारों से 240 करोड़ रुपये वसूलने की तैयारी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। जीडीए के छह हजार बकायेदारों से 240 करोड़ रुपये वसूली होगी। इसकी योजना तैयार हो रही है। प्रथम चरण में बकायेदारों को नोटिस भेजा जाएगा, फिर भी बकाया जमा नहीं करने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। जीडीए के सभी जोन में करीब छह हजार बकायेदार हैं। इसमें बिल्डर पर 114 करोड़ रुपये और आवंटी पर 125 करोड़ का बकाया है। प्राधिकरण इन्हें नोटिस भेजेगा। हालांकि, बड़े बकायेदारों को नोटिस भेजे भी गए हैं। सभी को नोटिस भेजने के बाद जोन के सुपरवाइजर बकायेदारों के दरवाजों पर वसूली के लिए जाएंगे। यदि कोई इसके बाद भी रकम जमा नहीं करता है, तो उसका आवंटन निरश्त करने पर विचार किया जाएगा। इस संबंध में जीडीए उपाध्यक्ष ने संबंधित जोन प्रभारियों को निर्देश दिया है। जीडीए अधिकारियों को उम्मीद है कि बकायेदारों से बकाया मिल जाता है, तो कई योजनाएं परवान चढ़ सकती हैं। जीडीए के अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि जीडीए के छोटे बड़े बकायेदारों से वसूली की जाने की योजना बनाई है।

ट्रक से बाइक टकराने पर युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मसूरी थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े ट्रक में बाइक टकराने से युवक की मौत हो गई। युवक के भाई ने मसूरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। हापुड़ में रहने वाले अनिल कुमार ने बताया कि 22 नवंबर को उनका भाई चंचल कुमार बाइक से किसी जरूरी काम से हापुड़ से गाजियाबाद गया था। राश्ते में मसूरी थाना क्षेत्र में भगवती कॉलेज के पास सड़क पर खड़े ट्रक से उसकी बाइक टकरा गई। ट्रक चालक ने किसी प्रकार का अवरोधक चिह्न नहीं लगाया था, जिसके चलते हादसा हुआ। टक्कर इतनी भयंकर थी कि चंचल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। एसीपी का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

खरीदारी के दौरान खाते से 59 हजार निकाले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। विक्रम एन्क्लेव में रहने वाले चंदन सिंह के अनुसार उन्होंने एक डिपार्टमेंटल स्टोर से 812 रुपये की खरीदारी की थी। भुगतान के लिए अपना डेबिट कार्ड प्रयोग किया। डेबिट कार्ड मशीन में लगने के बाद उनके खाते से 59 हजार रुपये कट गए। इस पर उन्होंने पहले साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। शालीमार गार्डन पुलिस ने साइबर फ्रॉड का केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह के अनुसार मामले की जांच की जा रही है और खातों के फ्रीज करवाने का प्रयास किया जा रहा है।

दुकान दिलाने के नाम पर 12 लाख रुपये ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर में दिल्ली-मेरठ मार्ग पर दुकान दिलाने के नाम पर युवक से 12 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर की आदर्शनगर कॉलोनी निवासी शलभ कुमार सिंघल ने बताया कि दो जनवरी को उनके पास चार लोग आए और कहा कि दिल्ली मेरठ मार्ग पर बस स्टैंड के पास उनकी दो दुकान हैं, जिन्हें बेचना है। इसके बाद दो दुकानों का सौदा 62 लाख रुपये में तय हो गया। शुलभ कुमार सिंघल ने 12 लाख रुपये पेशगी के तौर पर दिए और बाकी रकम छह माह बाद बैनामे के समय देने की बात तय हुई। दो जुलाई को जब बैनामा का समय आया तो वह आनाकारी करने लगे। काफी प्रयास के बाद भी दुकान का बैनामा नहीं किया गया। इसके बाद पीड़ति को अपने साथ हुई ठगी का अहसास हुआ। एसीपी ने मोदीनगर पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए। पुलिस ने विजय बाला,प्रमोद कंसल,अंकुल कंसल ,संजीव जैन निवासी मोदीनगर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पड़ोसी पर मोबाइल चोरी करने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र की विकास कुंज कॉलोनी निवासी सोनू का शनिवार सुबह करीब छह बजे मोबाइल चोरी हो गया। उन्होंने बताया कि पड़ोस में रहने वाला गौरव शनिवार सुबह उनके घर में घुस गया। आरोप है कि युवक ने कमरे में रखा मोबाइल चुरा लिया। उन्होंने युवक को मोबाइल पेंट की जेब में रखते हुए देख लिया। वह युवक के घर पहुंचे और उसके पिता को बात बताई। तलाशी लेने पर मोबाइल युवक की पेंट की जेब से बरामद हुआ। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

वाहन की टक्कर से साइकिल सवार घायल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। टीला मोड़ थाना क्षेत्र में वाहन की टक्कर से साइकिल सवार घायल हो गया। लोनी के मोहित गार्डन राम विहार में रहने वाली गायत्री देवी के अनुसार उनके पति सुनील एक कंपनी में काम करते हैं। वह 25 नवंबर की सुबह साइकिल से ड्यूटी जा रहे थे। इस दौरान पसौंडा पुलिया के पास तेज रफ्तार वाहन ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में उनके पति के कूल्हे और कंधे में फ्रैक्चर हुआ है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह के अनुसार घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए टक्कर मारने वाले वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

एसी आउटडोर से तांबे का पाइप चोरी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। खादी ग्रामोद्योग भवन के संचालक रमेश कुमार के अनुसार उनकी दुकान में पिछले कई दिनों से चोरी का प्रयास किया जा रहा है। 25 नवंबर को चोरों ने दुकान के ताले तोड़े, लेकिन चौकीदार के शोर मचाने पर भाग गए। इसके बाद गुरुवार को चोर दुकान के बाहर लगा बल्ब चोरी कर ले गए। शुक्रवार को चोर दुकान के बाहर एसी आउटडोर से तांबे का पाइप चोरी कर ले गए। आरोप है कि तीनों बार दो लोगों ने वारदात को अंजाम दिया। दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में सभी वारदात कैद हो गई।

बिजली बिल का भुगतान करने पर मिलने लगी छूट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जनपद में विद्युत बिल के बकायेदारों को रविवार से एक मुश्त योजना का लाभ मिलना शुरू हो गया। तीन माह तक तीन चरणों में बकाया बिलों में 15 से 25 फीसदी तक की छूट दी जाएगी। जनपद के एक लाख से ज्यादा उपभोक्ता योजना का लाभ उठा सकेंगे।

पहले दिन बहुत कम लोगों ने योजना का लाभ उठाया। विद्युत निगम जोन-एक के अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार सिंह ने बताया कि योजना के तहत दो किलोवाट लोड वाले घरेलू और एक किलोवाट लोड वाले वाणिज्यिक उपभोक्ता जिन पर 31 मार्च 2025 से पहले का बड़ा बकाया है, उन्हें राहत दी जाएगी।

योजना एक दिसंबर से 28 फरवरी 2026 यानी तीन चरणों में लागू की गई है। इसका पहला चरण रविवार से शुरू हो गया। इस दौरान बिल भुगतान करने वालों को 25 फीसदी की छूट का लाभ दिया जा रहा है। योजना का दूसरा चरण जनवरी में शुरू होगा। उस दौरान बिल भुगतान करने वालों को 20 फीसदी छूट का लाभ मिलेगा।

तीसरा चरण फरवरी से शुरू होगा और इसमें 15 फीसदी की छूट दी जाएगी। विद्युत निगम जोन एक के मुख्य अभियंता पवन कुमार अग्रवाल ने बताया योजना का उद्देश्य बिजली विभाग और उपभोक्ताओं को लाभ देना है। इससे विद्युत उपभोक्ता की डिफॉल्टर संख्या में भी कमी आने की उम्मीद है।

योजना का लाभ शहर के उन सभी उपभोक्ताओं को मिलेगा जिन पर 31 मार्च 2025 से पहले का बिल बकाया होगा। किश्तों में भी जमा कर सकेंगे बिल अधिकारियों ने बताया उपभोक्ताओं को हर माह के बिल के साथ 700 रुपये का बकाया पुराना बिल भुगतान करना होगा।

विद्युत निगम बकाया बिल की राशि में मिलने वाली छूट को घटाकर बाकी के बिल को किश्तों में लेंगे। जिससे उपभोक्ताओं को बिल जमा करने में आसानी होगी। साथ ही बताया कि किश्त छूटने पर लाभ नहीं मिल सकेगा।

मुनाफे का झांसा देकर 49 लाख रुपये ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साइबर ठगों ने वैशाली में रहने वाले एक व्यक्ति को झांसा देकर 49 लाख रुपये ठग लिए। इस दौरान ठगों ने उनसे चार खातों में रकम ट्रांसफर कराई। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वैशाली सेक्टर-4 में रहने वाले अभिषेक चौधरी ने बताया कि 18 सितंबर को उन्हें निहारिका सिंह नाम की एक लड़की का नंबर शादी डॉटकॉम साइट के माध्यम से मिला।

20 सितंबर को निहारिका ने बताया कि उनका परिवार जालंधर, पंजाब और दिल्ली एनसीआर में रीयल एस्टेट का कारोबार करता है। फिर 23 सितंबर को युवती ने अभिषेक को विदेशी मुद्रा में व्यापार करने के लिए जोर दिया और व्हाट्सऐप पर एक लिंक भेजा।

पीड़ित ने व्हाट्सऐप पर भेजे गए लिंक पर पंजीकरण कराया। फिर कुछ जानकारी मांगी गई। ठगों ने पीड़ित से तीन अक्तूबर से दो नवंबर तक पांच बार में रकम ट्रांसफर कराई। इन सभी प्रक्रिया के बाद जब पीड़ित ने रुपये निकालने की कोशिश की तो ठगों ने उन्हें 30 प्रतिशत टैक्स जमा करने को कहा। इसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। एडीसीपी पीयूष सिंह का कहना है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। जिन खातों में रकम गई है, उनका भी पता लगाया जा रहा है ताकि ट्रांसफर हुई रकम फ्रीज कराई जा सके।

ऐप डाउनलोड कराकर महिला के खाते से रकम निकाली

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

इंदिरापुरम स्थित ऑरेंज काउंटी सोसाइटी में रहने वाली एक महिला से 9.93 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है।

साइबर ठगों ने खुद को आईजीएल कंपनी का कर्मचारी बताकर महिला से दो ऐप डाउनलोड कराए और फिर मोबाइल हैक कर खाते से रकम निकाल ली। पीड़िता ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

ऑरेंज काउंटी सोसाइटी निवासी मोनिका अग्रवाल ने बताया कि 27 नवंबर को उनके पास एक व्हाट्सऐप कॉल आई। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) का कर्मचारी बताया।

झांसे में लेकर फोन करने वाले व्यक्ति ने आईजीएल गैस बिल अपडेट और टाटा पावर बिल अपडेट नाम की दो एपीके फाइल मोनिका से डाउनलोड कराया। फिर उनसे एपीके फाइल खोलने को कहा।

इसके बाद स्क्रीन और एप्लिकेशन के लिए सभी अनुमति देने के लिए सेटिंग्स एप्स में जाने को कहा। अनुमति देते ही जालसाज ने एपीके के माध्यम से मोनिका की डिवाइस हैक कर ली। फिर नेट बैंकिंग एप्लिकेशन से उसी दिन सुबह में करीब साढ़े दस बजे 4,95,000 रुपये निकाल लिए। कुछ देर बाद ही दोबारा खाते से 4,98,000 रुपये और निकाले गए।

बैंक से मैसेज आने के बाद महिला को ठगी का अहसास हुआ। एडीसीपी पीयूष सिंह का कहना है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जिन खातों में रकम गई है, उनका भी पता लगाया जा रहा है,ताकि ट्रांसफर हुई रकम फ्रीज कराई जा सके।

पुल की रेलिंग तोड़ नीचे गिरी तेज रफ्तार कार; एक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

शहर को कलेक्ट्रेट से जोड़ने वाले हापुड़ रोड पर सोमवार को दर्दनाक हादसे में तेज रफ्तार कार रेलिंग तोड़कर नीचे गिर गई। हादसे में एक युवक की मौत की सूचना है।

घटना पुराने बस अड्डे से हापुड़ चुंगी जाने वाले रोड पर सिहानी गेट थाने के सामने हुआ। पुलिस का कहना है कि हादसा तड़के करीब चार बजे हुआ है। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह रेलिंग तोड़ने के बाद करीब 20 मीटर दूर जाकर गिरी है।

उधर, अन्य घटना में मुरादनगर थाना क्षेत्र में शनिवार रात को पाइपलाइन मार्ग पर हुए हादसे में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक के स्वजन ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस वाहन चालक की तलाश कर रही है। थाना क्षेत्र की महजनान कालोनी में सुरेश कुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं।

शनिवार रात को उनका 30 वर्षीय पुत्र नीरज उर्फ मोनू किसी काम के चलते पाइनलाइन मार्ग की ओर गया था। देर रात साढ़े दस बजे वह मकरेडा की ओर आते एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गया। हादसे मे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। अज्ञात वाहन चालक मौके से भाग निकलने में कामयाब हो गया।

हादसे की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मृतक के स्वजन को हादसे के बारे में सूचित किया। युवक की मौत के बारे में पता चलने पर उसके स्वजन का बुरा हाल हो गया। मृतक के पिता ने वाहन चालक के खिलाफ शिकायत की है। पुलिस अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है।

मैट्रीमोनियल साइट पर बातचीत कर ट्रेडिंग के नाम पर 49 लाख की ठगी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

इंदिरापुरम निवासी एक युवक को साइबर ठगों ने शादी के लिए प्रोफाइल मुहैया कराने वाली वेबसाइट के जरिए ट्रैक किया। युवक ने जब फर्जी प्रोफाइल पर बातचीत शुरू की तो कुछ ही दिनों में युवती ने युवक से कहा कि वह फारेक्स ट्रेडिंग के जरिए कमाई करती है। युवक को भी झांसे में लेकर ट्रेडिंग शुरू कराई गई।

पीड़ित से कुछ ही दिनों में 49 लाख रुपए ट्रेडिंग के नाम पर अलग अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए गए। पीड़ित ने जब अपने रुपए निकालने चाहे तो उनसे 30 प्रतिशत टैक्स मांगा गया। परेशान होकर पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत की है। वैशाली निवासी अभिषेक ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि 18 सितंबर को उन्हें निहारिका सिंह नाम की एक लड़की का नंबर शादी डाटकाम वेबसाइट के माध्यम से मिला। 20 सितंबर को निहारिका ने जानकारी दी कि रीयल स्टेट का उसका पारिवारिक व्यवसाय है। उसका परिवार जालंधर, पंजाब और दिल्ली एनसीआर में रियल एस्टेट कारोबार करता है। 23 सितंबर को निहारिका ने अभिषेक को फारेक्स ट्रेडिंग में निवेश करने पर मुनाफा होने की जानकारी दी। बातचीत आगे बढ़ने पर युवक को ट्रेडिंग शुरू कराई गई। पीड़ित कई बार में आरोपितों के बताए बैंक खातों में रुपये ट्रांसफर किए। उन रुपयों को डालर में बदलकर निवेश करना बताया गया।

जुर्माने से बचने के लिए कुत्तों का पंजीकरण कराएं

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

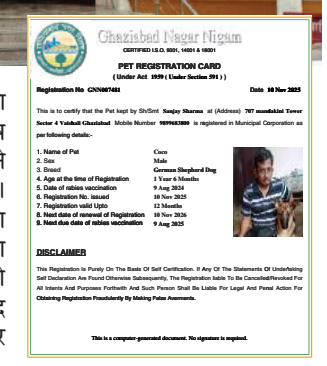

नगर निगम ने पालतू कुत्तों के पंजीकरण की प्रक्रिया तेज कर दी है। निगम कर्मचारी सोसाइटी और कॉलोनियों में जा रहे हैं। दस हजार रुपये के जुर्माने से बचने के लिए पालतू कुत्तों का पंजीकरण कराने की अपील की जा रही है।

निगम में वर्ष 2018 से पहले कुत्तों के पंजीकरण की व्यवस्था नहीं थी। इसके बाद पंजीकरण ऑनलाइन शुरू हुआ। निगम ने पहले पांच हजार रुपये फीस तय की, लेकिन विरोध के बाद फीस एक हजार रुपये, फिर 500 रुपये की गई। इसके बावजूद लोगों ने पालतू कुत्तों का पंजीकरण कराने में दिलचस्पी नहीं ली। फीस घटाकर 200 रुपये की है। निगम के पशु पालन विभाग का मानना है कि शहर में 20 हजार कुत्ते पाले जा रहे हैं। वर्ष 2020 से अभी तक करीब साढ़े सात हजार कुत्तों का पंजीकरण हुआ है।

निगम ने अब पालतू कुत्तों के पंजीकरण के लिए अभियान शुरू किया है। निगम की टीम सोसाइटी और कॉलोनियों में जा रही है। ऐसा नहीं करने पर दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। निगम के पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. आशीष त्रिपाठी ने बताया पंजीकरण नहीं कराने वालों पर जुर्माना लगाया जा रहा है। कई लोगों पर दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया पंजीकरण के दौरान ही कुत्ते को वैक्सीनेशन किया जाता है। इसके बाद यदि कुत्ता काट ले तो उसका असर ज्यादा नहीं रहता।

उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज सिंह ने बताया कि पालतू कुत्तों का पंजीकरण अनिवार्य है। पंजीकरण नहीं कराने पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जा रहा है। जुर्माने से बचने के लिए लोगों से पालतू कुत्तों का पंजीकरण कराने की अपील की है।

प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधि मंडल गठन का प्रस्ताव, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2026 की तैयारियाँ तेज

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

आगामी त्रिशतरीय पंचायत चुनाव-2026 को पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने की दिशा में तैयारियाँ तेज हो गई हैं। इसी क्रम में ग्रामीण सत्ता पंचायतीराज संगठन, उत्तर प्रदेश ने निर्वाचन आयोग को प्रदेश शतरीय प्रतिनिधि मंडल/चुनाव संचालन समिति के गठन का प्रशताव भेजा है। संगठन की ओर से प्रदेश अध्यक्ष विवेक चंद्र अवस्थी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को सुझाव पत्र प्रेषित किया।

संगठन ने मांग की है कि पंचायत क्षेत्रों के परिसीमन, विभिन्न पदों के आरक्षण निर्धारण, मतदाता सूची से जुड़ी आपत्तियों एवं विसंगतियों के निराकरण तथा पंचायत चुनाव से संबंधित सभी प्रक्रियात्मक समस्याओं और प्रश्नों के समाधान को लेकर शासन और प्रशासन के साथ नियमित संवाद आवश्यक है। इसी उद्देश्य से 5 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल के गठन का सुझाव भेजा गया है।

सुझाव पत्र में स्पष्ट किया गया है कि पंचायत चुनाव की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके, इसके लिए प्रशासन और ग्रामीण जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होना चाहिए।

मौलाना अरशद मदनी का बयान असलियत दिखाता है: सज्जाद सिद्दीकी

✷ एनसीआर टुडे. शेरकोट ✷

सज्जाद सिद्दीकी ने मौलाना अरशद मदनी द्वारा दिए गए बयान को लेकर देश की दलाल मीडिया पर जमकर हमला बोला जिस तरह देश की गोदी मीडिया मदनी साहब का बयान को गलत तरीके से पेश करके मुल्क के हालात को खराब करना चाहती है। लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रेसिडेंट मौलाना अरशद मदनी के हाल के बयान, जिसमें उन्होंने आज़ादी के बाद मुसलमानों की बुरी हालत और उनके साथ हुए भेदभाव का ज़िक्र किया है,। पर कुछ लोग जो सच से बचते हैं, हंगामा कर रहे हैं,यह गलत है। मौलाना अरशद मदनी ने सच कहा है।

इसमें गलत क्या है? आज पूरे देश में किसी भी सेंट्रल यूनिवर्सिटी का एक भी चांसलर या वाइस चांसलर मुसलमान नहीं है। मौलाना मदनी ने यह भी कहा कि आज़ादी के बाद मुसलमानों के साथ भेदभाव हुआ और उन्हें कमज़ोर करने की कोशिश की जा रही है।

इसमें मौलाना ने क्या गलत किया? मुसलमानों के सोशियो-इकोनॉमिक और एजुकेशनल पिछड़ेपन को 2006 में सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में पहले ही माना जा चुका था।

असल में, सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में तो यह भी कहा गया था कि भारत में मुसलमानों की सोशियो-इकोनॉमिक और एजुकेशनल हालत SCs और STs से भी खराब है। सच्चर कमेटी ने यह भी कहा था कि भारत में मुसलमानों की आबादी 14 परसेंट है,। लेकिन सरकारी नौकरियों में उनके पास सिर्फ़ 2.5 परसेंट है।

सच्चर कमेटी ने भी मुसलमानों के साथ भेदभाव को माना था और सम्मान ओसर आयोग (इक्वल ऑपर्च्युनिटीज़ कमीशन) बनाने की सिफारिश की थी। ताकि मुसलमानों को भी बराबर मौके मिल सकें। सच्चर कमेटी से पहले, गोपालकृष्ण कमीशन की रिपोर्ट ने भी मुसलमानों की हालत पर चिंता जताई थी।

उनके सुधार और विकास की सिफारिश की थी। प्रेसिडेंट और गवर्नर वगैरह का मुसलमान होना पॉलिटिकल अवेयरनेस वालों के लिए एक अच्छा मुद्दा है।

सब जानते हैं कि हमारे पार्लियामेंट्री सिस्टम में प्रेसिडेंट और गवर्नर के पास कितनी पावर होती है। असली पावर प्राइम मिनिस्टर और चीफ मिनिस्टर के पास होती है और प्रेसिडेंट और गवर्नर का नाम सबसे ऊंचा होता है।

अगर सरकारों ने गोपालकृष्ण कमीशन की रिपोर्ट और सच्चर कमेटी की सिफारिशों को ईमानदारी से माना होता, तो मौलाना को यह बयान नहीं देना पड़ता। आज भी सरकारी नौकरियों और सिविल सर्विस में मुसलमानों का हिस्सा उनकी आबादी के हिस्से से बहुत कम है। अभी रूलिंग पार्टी में एक भी मुस्लिम MP नहीं है, न तो लोकसभा में और न ही राज्यसभा में।

लखनऊ में प्रोफेसर डॉ अंजू बंसल को अवध रत्न सम्मान से किया गया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

संगम फाउंडेशन द्वारा कैफे आजमी अकादमी सभागार निशातगंज लखनऊ में आयोजित 'अवध रत्न अवॉर्ड' कार्यक्रम में वर्धमान डिग्री कॉलेज बिजनौर के हिंदी विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अंजू बंसल को 'अवध रत्न सम्मान ' से सम्मानित किया गया।

शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नौ सम्मानित व्यक्तियों, जिन्होंने शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य किया है का चयन किया गया।, जिन्हें संस्था द्वारा नवरत्न बताया गया तथा प्रशशित पत्र एवं पुरस्कार व शाल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व कार्यकारी मुख्यमंत्री अम्मार रिजवी, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों दानिश आजाद अंसारी, राज्य मंत्री अल्पसंख्यक व मुस्लिम वक्फ एंड हज, प्रोफेसर अजय तनेजा कुलपति ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज विश्वविद्यालय एवं सैयद जफर इकबाल फाउंडर शम्स नेशनल स्कूल गाज़ीपुर के कर कमलो से डॉ अंजू बंसल को हिंदी साहित्य में समर्पण हेतु मलिक मोहम्मद जायसी अवध रत्न अवार्ड दिया गया।

कार्यक्रम में प्रोफेसर सय्यद शफीक अहमद अशरफी ने अवार्ड से नवाजे जाने वाले व्यक्तियों का परिचय कराते हुए कहा कि डॉ अंजू बंसल ने अपनी शिक्षा से लेकर अध्यापन शोध और लेखनी तक हर क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है। आपकी शोध लेखनी व कविताएं निरंतर हिंदी भाषा की गरिमा बड़ा कर मानवता की आवाज को नई दिशा दे रही है।

ऑल इंडिया रेडियो पर आपकी वार्ताओं ने साहित्य और सामाजिक विषयों को आम लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया है।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों में आपके शोध पत्र शोधार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। अंत में कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर सय्यद शफीक अहमद अशरफी द्वारा सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सम्मेलन में संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया, कामरेड फारूख हानी बने बिजनौर जिला मंत्री

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

नगर के मोहल्ला नायक सराय में स्थित कामरेड फ़ारूख हानी के तालाब आवास पर रविवार भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता जिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया।

कामरेड फारूख हानी बने बिजनौर जिला मंत्री, नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। वही सम्मेलन में जिलेभर से भारी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी और वरिष्ठ मार्गदर्शक शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद जिला शतर पर संगठन की वर्तमान स्थिति, विश्तार और आगामी रणनीति को लेकर विश्तृत चर्चा हुई।

सम्मेलन में वक्ताओं ने संगठन को मजबूत आधार प्रदान करने पर जोर देते हुए कहा कि जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा। जिले में संगठन की पकड़ को मजबूत बनाने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा प्रत्येक ब्लॉक और नगर शतर पर सक्रिय इकाइयों को सशक्त करने के प्रशताव भी पारित किए गए।

वही बिजनौर चुनाव प्रभारी कामरेड चंद्रपाल सिंह तथा अजय सिंह ने कामरेड फारूख हानी को सर्वसम्मति से जिला मंत्री बिजनौर चुने जाने की घोषणा की। वही उप जिला मंत्री सरफराज कस्सार निवासी गांव हरपुर व गांव भागीजोत निवासी फूल सिंह सैनी को उप जिला मंत्री बनाया गया। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण जिला पदाधिकारियों का चयन रहा। सर्वसम्मति से कामरेड फ़ारूख हानी को जिला मंत्री बिजनौर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। उनके चयन की घोषणा होते ही कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। उपस्थित सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका स्वागत किया।

वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि कामरेड फ़ारूख हानी अपने अनुभव और सक्रियता से संगठन को नई दिशा देंगे।

नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा कार्यक्रम में नई जिला कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। इसमें विभिन्न पदों पर ब्रांच सेक्रेटरी रसूलाबाद से सुखदेव सिंह, भागीजोत ब्रांच सेक्रेटरी फूल सिंह तथा मुखराम सिंह,सुआवाला ब्रांच सेक्रेटरी मोहम्मद फारूख तथा मोहम्मद इलियास, हरपुर ब्रांच सेक्रेटरी सरफराज अहमद तथा दिलवर शाह,नूरपुर ब्रांच सेक्रेटरी शब्बन कुरैशी तथा सरवेश देवी, अफजलगढ़ ब्रांच सेक्रेटरी फारूख अंसारी, जमीर सिद्दीकी तथा सलीम अंसारी, नहटौर ब्रांच सेक्रेटरी साबिर तथा मकसूद राना, कासमपुरगढ़ी ब्रांच सेक्रेटरी इलियास अंसारी तथा यासीन अंसारी, जिकरीवाला ब्रांच सेक्रेटरी गोपाल सिंह तथा जगदीश सिंह,शहजादपुर ब्रांच सेक्रेटरी युनूस उस्मानी तथा इकबाल ईदरीसी, मोहम्मदपुर राजौरी ब्रांच सेक्रेटरी अब्बासी तथा अफजल, आनन्दीपुर ब्रांच सेक्रेटरी माया देवी तथा फैजान नोजवान सभा अध्यक्ष सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई।

पदाधिकारियों ने कहा कि नई टीम जिले के सभी हिस्सों में संगठन की उपस्थिति को सुदृढ़ करेगी और जनहित के मुद्दों पर मुखरता से कार्य करेगी। सम्मेलन के अंतिम सत्र में नव-निर्वाचित जिला मंत्री और पदाधिकारियों ने संगठन की नीतियों और उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी अभियानों को सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए स्थानीय इकाई की सराहना की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता गुलाम साबिर तथा संचालन सरफराज कस्सार ने किया। इस अवसर पर बिजनौर चुनाव प्रभारी कामरेड चंद्रपाल सिंह, चुनाव प्रभारी अजय सिंह, कादिर अहमद, श्याम लाल,फारूख शेरकोटी, चंद्रपाल सिंह, नरेश कुमार, शरीफ अहमद तथा अजय सिंह आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

परंपरागत और आधुनिक ज्ञान क्या परस्पर विरोधी हैं?

रामनाथ गोयनका व्याख्यानमाला के अंतर्गत हाल में अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमें संकल्प लेना चाहिए कि अगले 10 सालों में हम औपनिवेशिक मानसिकता से पूरी तरह मुक्त हो जाएंगे। दस साल बाद लार्ड मैकाले द्वारा भारत में अंग्रेजी ढंग की शिक्षा देने की शुरुआत हुए 200 साल पूरे हो जाएंगे। मोदी के मुताबिक, ...मैकाले का उद्धेश्य देशज ज्ञान पद्धतियों को तबाह कर भारतीय विचार पद्धति में आमूलचूल बदलाव लाना और औपनिवेशिक शिक्षण देश पर लादना था''।

मोदी ने कहा कि मैकाले का जुर्म यह था कि उससे ऐसे भारतीय बनाये जो दिखने में भारतीय परंतु सोच में अंग्रेज थे। इस प्रणाली ने भारत का आत्मविश्वास नष्ट कर दिया और उसमें हीन भावना उत्पन्न हुई। (दि इंडियन एक्सप्रेस नवंबर 18, 2025)

मोदी हिन्दुत्वादी राष्ट्रवाद के हामी आरएसएस के प्रचारक हैं। आरएसएस की विचारधारा अभी तक दुष्ट मुस्लिम राजाओं और हिन्दुओं पर उनके जुल्मों जैसे मंदिर नष्ट करना और उन्हें इस्लाम स्वीकार करने को बाध्य करना आदि जैसे मुद्दों पर केन्द्रित रही है। इस नैरेटिव के मुताबिक प्राचीन काल भारत का स्वर्ण युग था और मुस्लिम आक्रांता जब यहां आए तो अपने साथ बुराईयां लाए। पिछले कुछ समय से हिन्दू राष्ट्रवादी विचारकों की नज़र ब्रिटिश शासन की औपनिवेशिकता' की बुराईयों पर भी केन्द्रित हो गई है। औपनिवेशिकता से आशय है औपनिवेशिक सोच और परंपरागत ज्ञान व विचार प्रणालियों का दमन।

मज़े की बात यह है कि ये बातें एक ऐसी विचारधारा के पैरोकार कर रहे हैं जिसके समर्थकों ने देश की आम जनता द्वारा गांधीजी की अगुवाई में औपनिवेशिक सत्ता के विरूद्ध छेड़ी गई लड़ाई से सुरक्षित दूरी बनाये रखी।

जहाँ मोदी जमात हमारी खामियों और कमियों के लिए मैकाले को दोषी ठहराती हैं, वहीं चन्द्रभान प्रसाद जैसे दलित चिंतक मैकाले के योगदान की यह कहते हुए सराहना करते हैं कि मैकाले ने जो नींव डाली, वही आगे चलकर दलितों एवं समाज के हाशिए पर पड़े अन्य वर्गों की गरिमा एवं समानता के लिए संघर्ष का आधार बनी।

मोदी और उनके जैसे लोग मानते हैं कि मैकाले / अंग्रेजों द्वारा स्थापित संस्कृति एक सीधी रेखा है। दिलचस्प बात यह है कि यह जमात खुद भी यूरोप मार्का राष्ट्रवाद की हामी है, जो धर्म और भाषा पर आधारित है। भारत में विकसित राष्ट्रवाद कहीं अधिक जटिल था। अंग्रेजी के शिक्षण से आधुनिक उदारवादी मूल्य स्थापित हुए और उसने महिलाओं और दलितों समेत समाज के सभी वर्गों के लिए ज्ञान के दरवाजे खोल दिए। ये दोनों वर्ग शिक्षा से वंचित थे क्योंकि गुरूकुलों में दी जाने वाली शिक्षा सिर्फ ऊंची जातियों के पुरूषों के लिए उपलब्ध थी।

भारत में सुश्रुत, आर्यभट्ट, ब्रम्हगुप्त, लोकायत धारा और भास्कर आदि के योगदान से विकसित ज्ञान ने समाज को प्रबुद्ध एवं ज्ञानवान बनने की दिशा में बढ़ने में योगदान दिया। यह ज्ञान परंपरागत संभ्रात वर्गों के नियंत्रण में था एवं सबकी पहुंच से दूर था। इसलिए ज्ञान और उससे जनित शक्ति और समृद्धि कुछ विशिष्ट समूहों तक सीमित थी।

यह सच है कि मैकाले को ब्रिटिश प्रशासनिक मशीनरी के लिए क्लर्क और अन्य पदों पर काम करने के लिए लोग चाहिए थे। यह भी सच है कि रूडयार्ड किपलिंग जैसे लोगों ने भारतीयों को निचले दर्जे का बताने और अंग्रेजों का यशोगान करने के लिए भारत में ब्रिटेन की राज को 'गोरों का बोझ' बताने का प्रयास किया। मगर यह भी सच है कि आधुनिक शिक्षा की कोख से ही राष्ट्रवादी निकले जिन्होंने औपनिवेशिक गुलामी को चुनौती दी। गांधी, पटेल, सुभाषचन्द्र बोस, नेहरू आदि सभी ने इसी प्रणाली के अंतर्गत ब्रिटेन में शिक्षा प्राप्त की। इनके योगदान से ही औपनिवेशवाद से संग्राम संभव हो सका और हमें विकास की एक नई राह मिली जिसे नेहरू के प्रसिद्ध भाषण 'ट्रिस्ट विथ डेस्टिनी' में संक्षेप में प्रश्तुत किया गया है।

क्या अंग्रेजी के कारण क्षेत्रीय भाषाओं की उपेक्षा हुई? तथ्य यह है कि शिक्षा के प्रसार से क्षेत्रीय भाषाओं को प्रोत्साहन ही मिला। तिलक (मराठा) और महात्मा गांधी (नवजीवन) ने क्षेत्रीय भाषाओं में अपने अखबार प्रकाशित किए। रबीन्द्रनाथ टैगोर और मुंशी प्रेमचंद सहित क्षेत्रीय भाषाओं की कई बड़ी हश्तियों ने भी इसी दौर में अपना योगदान दिया।

कई अंग्रेज शोधकर्ताओं ने ब्राम्ही लिपि और अजंता-एलोरा जैसी हमारी प्राचीन विरासतों को फिर से खोजने में भूमिका निभाई। स्वामीनाथन अय्यर (टाईम्स ऑफ इंडिया, नवंबर 2025) लिखते हैं कि अंग्रेजों ने भारतीय पुरात्तव सर्वेक्षण (एएसआई) की स्थापना की जिसके पहले प्रमुख अलेक्जेंडर कनिंघम बनाए गए। उन्होंने देश भर में खुदाई कर तक्षशिला से नालंदा तक दर्जनों चकित कर देने वाली खोजें कीं। यह औपनिवेशिक शासन से भारत को हुए लाभ का एक उदाहरण था। हालांकि अंग्रेजों का लक्ष्य भारत को लाभान्वित करना नहीं था मगर उनके कामों का परिणाम यही हुआ।

ऐसा भी नहीं है कि अंग्रेजों ने जो विचार उन्हें दिए, भारतीयों ने उन्हें आँख मूंदकर स्वीकार कर लिया। दादा भाई नैरोजी, एम. जी. रानाडे, जी. के. गोखले और आर. सी. दत्ता ने अंग्रेजों की बातों का जमकर विरोध किया। आजादी का आंदोलन अंग्रेजों के विचारों का सबसे तगड़ा विरोध और उसे मिली सबसे बड़ी चुनौती थी। अंग्रेजी भाषा विचारों के प्रेषण का एक जरिया मात्र थी। समय के साथ अंग्रेजी का भी भारतीयकरण हुआ और अमिताव दास, अरूंधति रॉय और किरन देसाई सहित इस भाषा के कई प्रतिभाशाली लेखकों ने भारतीय विचारों को प्रतिबिंबित किया।

परंपरागत ज्ञान प्रणालियां को समृद्ध करने के लिए उन्हें अन्य ज्ञान प्रणालियों से जोड़ना ज़रूरी होता है। भाषाई आधार पर राज्यों के गठन ने क्षेत्रीय भाषाओं और उनकी परंपरागत ज्ञान प्रणालियों के विकास के लिए पर्याप्त गुंजाइश उपलब्ध करवाई है। दूसरी ओर, पश्चिम ही नहीं वरन् पूरे विश्व से हमारे मेलजोल का हमारे समाज में गहरे तक जड़ जमाए परंपरागत जाति एवं लिंग आधारित उंचनीच का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अपनी तमाम कमियों के बावजूद आधुनिक शिक्षा ने समानता एवं न्याय की राह के दरवाजे समाज के इन हाशियागत वर्गों के लिए खोले।

भारत में औपनिवेशवाद की भूमिका से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा है। शशि थरूर ने अपने प्रसिद्ध आक्सफोर्ड डिबेट में अंग्रेजों द्वारा भारत को लूटने का विश्तार से वर्णन किया, जिसे आगे जाकर डार्क इरा ऑफ ब्रिटिश एंपायर शीर्षक से पुश्तक के रूप में प्रकाशित किया गया। इसके कुछ महीने बाद डॉ. मनमोहन सिंह इंग्लैंड गए। उन्होंने भारत में आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था एवं शिक्षा प्रणाली की स्थापना में ब्रिटेन की भूमिका की सराहना की।

मुख्य बात यह है कि अंग्रेजों शिक्षा ही वह राह थी जिस पर चलकर उदार मूल्यों और आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था की नींव पड़ी। उदार मूल्यों से स्वतंत्रता आंदोलन का मार्ग प्रशश्त हुआ जिसमें धर्म से ऊपर उठकर लोगों ने ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने के प्रयासों में भागीदारी की। वर्तमान हिन्दुत्व राष्ट्रवादियों के पूर्ववर्तियों ने स्पष्टतः यह कहा था कि उनका लक्ष्य प्राचीन काल के वैभव की पुनर्स्थापना करना है जिसमें मनुस्मृति के अनुसार शासन चलता था। शमसुल इस्लाम एक वक्तव्य को उद्धत करते हैं जिसे गोलवलकर का बताया जाता है ''हिन्दुओं, अपनी ऊर्जा अंग्रेजों से लड़ने में बर्बाद मत करो। अपनी शक्ति अपने आंतरिक शत्रुओं मुसलमानों, ईसाईयों और कम्युनिस्टों से लड़ने के लिए बचाकर रखो''। इस नजरिए से यह इंगित होता है कि उनके लिए साम्प्रदायिक मुद्दे महत्वपूर्ण थे, उपनिवेश विरोधी संघर्ष नहीं।

अब हिन्दुत्व राष्ट्रवादी अपनी शक्ति 'औपनिवेशिकता' का मुकाबला करने और परंपरागत ज्ञान प्रणाली की पुनर्स्थापना पर क्यों केन्द्रित कर रहे हैं? यह 'नई शिक्षा नीति' में भी प्रतिबिंबित हो रहा है। हिन्दुत्व राष्ट्रवादी जाति एवं लिंग आधारित परंपरागत पदानुक्रम के पक्षधर हैं जिसे स्वतंत्रता संघर्ष एवं भारतीय संविधान के कारण थोड़ा झटका लगा है। परंपरगात सामाजिक पदानुक्रम को दुबारा स्थापित करने के लिए मैकाले एवं पश्चिमी ज्ञान प्रणालियों का विरोध करने का यह राश्ता अपनाया गया है। सभ्यताएं नाक की सीध में आगे नहीं बढ़तीं। मगर एक बात तय है कि ''सभ्यताओं का गठजोड़'' हमें न्याय और समानता की ओर ले जाता है।

मेसेंजर की अनाम आत्माएँ और समाज का विवर्तन

डॉ. प्रियंका सौरभ

मेसेंजर के आभासी प्रांगण में कुछ अनाम आत्माएँ प्रतिदिन प्रातः और सायंकाल ऐसे उतर आती हैं, मानो मेरे मन-लोक के द्वार उनकी प्रतीक्षा में ही सदैव खुले रहते हों।

उनके संदेशों का प्रवाह इतना निरंतर, इतना अविरल होता है कि लगता है जैसे किसी सुदूर स्रोत से आशा की कोई अदृश्य नदी बहती चली आ रही हो। यह भी विचित्र है कि इन संदेशों के उत्तर की उन्हें तनिक भी चिंता नहीं-उनके शब्दों में एक ऐसी निस्सीम आशा झलकती है मानो दुनिया का ध्वंस भी उनसे उनकी जिजीविषा न छीन पाएगा।

जब कभी मैं मेसेंजर खोलती हूँ, तो भीतर कृत्रिम पुष्पों की रंग-बिरंगी पाँतें, कोमल उपमाओं की मधुमयी धाराएँ और शब्दों की शक्कर से लिपटी मिठास मेरी आँखों के समक्ष फैल जाती है। वह क्षण किसी अनजाने उत्सव-सा लगता है-एक ऐसा उत्सव, जिसे किसी ने बिना निमंत्रण दिए मेरे जीवन में बिखेर दिया हो। कभी-कभी मन यूँ ही सोच में डूब जाता है-क्या सचमुच कोई अजनबी नारी किसी अनदेखे-अनजाने व्यक्ति के हृदय में इतना सारा मृदु स्नेह, इतनी कोमल भावनाएँ और इतना अनुशासित आदर जगा सकता है?

परंतु इसी कोने में एक गहरी विडंबना भी खड़ी है-अपने निजी जीवन में तो जीवनसाथी के मुख से एक मधुर शब्द भी सुनने को नहीं मिलता। वहाँ तो केवल शिकायतों की काँटेदार झाड़ियाँ और उलाहनों की सूखी टहनियाँ ही पनपती हैं। कभी-कभी तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे विवाह नामक संस्था ने दो अधूरे मनुष्यों को एक साथ बाँधकर उनसे पूर्णता की अपेक्षा कर ली हो, जबकि भीतर दोनों ही अपूर्णताओं और अनकहे दुःखों के बोझ तले दबे हों।

फिर भी, इन अनाम स्नेहदाताओं के प्रति मेरे भीतर एक विचित्र-सा आभार जन्म लेता है। शायद यह आभार किसी अपेक्षा का नहीं, बल्कि इस भाव का है कि दुनिया में अभी भी कुछ लोग ऐसे हैं जो बिना स्वार्थ, बिना पहचान, बिना अपेक्षा-स्नेह देना जानते हैं। इस सत्य की मधुर अनुभूति ही हृदय में एक अदृश्य कृतज्ञता अंकित कर देती है। किन्तु मेरे अशितत्व के भीतर इन अजनबियों के लिए किसी भी भाव-प्रेम, आकर्षण या खिंचाव-की कोई जगह नहीं। मेरे भीतर जो स्थान सुरक्षित है, वह वीतराग के विश्तृत आकाश की तरह रिक्त और शांत है।

मेरे परिचय-वलय में एक ऐसा व्यक्ति भी है जो दुनिया को हँसी के उत्सव बाँटता फिरता है। वह अपनी चुटीली टिप्पणियों और सहज हास्य से लोगों के चेहरे पर मुस्कान उगा देता है, लेकिन जैसे ही वह घर के मुख्यद्वार पर पहुँचता है, उसके चेहरे से हर आभा ऐसे झर जाती है, जैसे वह "गोड्डा निवाणे" की किसी कठिन और थकाऊ यात्रा से लौटकर आया हो।

उसे देखते हुए मन में यह शंका बार-बार जाग उठती है-कहीं ये संदेश भेजने वाले भी भीतर से वैसे ही रिक्त तो नहीं? कहीं यह मुस्कान केवल बाहरी छलावरण तो नहीं, जो भीतर के गहरे अकेलेपन को छिपाने के लिए ओढ़ रखी गई हो? आज मेसेंजर में उमड़ती संदेशों की बाढ़ ने मेरे भीतर सामाजिक प्रवृत्तियों की तहों तक उतर जाने की एक तीव्र इच्छा जगा दी। कुछ परिचितों के जीवन-चित्र स्मृति में कौंध गए-प्रसन्न, संघर्षरत, टूटते और फिर से सँभलते हुए। हर चित्र अपने भीतर एक कहानी लिए हुए था, और हर कहानी समाज के बदलते स्वरूप का मूक प्रमाण थी।

इन सब पर विचार करते हुए सबसे पहले मैं उन परिवारों को हृदय से नमन करना चाहती हूँ जो प्रेम, धैर्य, संयम और परस्पर सम्मान की कोमल डोर से बँधे रहते हैं। ऐसे परिवार किसी

नदी की गहराई जैसे होते हैं-ऊपर भले ही शांत दिखें, लेकिन भीतर वे समाज की स्थिरता और सामूहिक संतुलन के लिए अथाह जल संजोए रखते हैं। उनकी उपस्थिति समाज में शांति, सहनशीलता और स्नेही वातावरण का आधार बनती है।

किन्तु समाज का दूसरा पक्ष भी उतना ही व्यापक और तीखा है। कुछ पुरुष और स्त्रियाँ, चालीस-पैंतालीस की सीमा में पहुँचते ही अचानक "पीड़ित-भाव" की ध्वजा उठाकर खड़े हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि वे अपनी प्रतिभा के आकाश को छू सकते थे, यदि परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों ने उनके स्वर्णिम अवसर न निगल लिए होते। यह सोच धीरे-धीरे उनके विवाह की डोर को छिन्न-भिन्न करने लगती है। मन में उभरता यह कथित "अवसर-हरण" का भाव, दाम्पत्य जीवन में कटुता का बीज बो देता है।

इसी के समानांतर कुछ पुरुष बाहर की स्त्रियों से अपने बनावटी दर्द, झूठी विवशताओं और मनगढ़ंत दुःखों की कहानियाँ साझा करते हैं। संवेदनशील स्त्रियाँ उन कहानियों को सत्य समझकर भावनात्मक रूप से उलझ जाती हैं। पुरुषों का यह छलावा उन्हें अपने ही भावों की कैद में धकेल देता है-जहाँ वे समझ नहीं पातीं कि उनका अपनापन वाश्तविकता से जुड़ा है या किसी के क्षणिक मनोरंजन का साधन मात्र।

आजकल सरायों और भोजनालयों के बाहर जो नाटकीय दृश्य घटित होते हैं-अंदर पत्नी किसी 'मित्र' के साथ बैठी और बाहर पति क्रोध से दहकता खड़ा-वे किसी एक परिवार की नहीं, पूरे समाज की विकृत मानसकथा हैं। इन दृश्यों को देखकर लगता है कि हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुके हैं जहाँ "विश्वास" सबसे सश्ता और "विकार" सबसे महंगा हो गया है।

कुछ लोग घर की उलझी परिस्थितियों से भागकर हमउम्र स्त्रियों या नवयुवतियों में क्षणिक सुख ढूँढने निकल पड़ते हैं। वे इन नए आकर्षणों में डूबकर यह मानने लगते हैं कि यही वाश्तविक जीवन है, यही सच्चा प्रेम, यही पूर्णता। परंतु जब वह चमक भी फीकी पड़ जाती है, तो वे फिर किसी नए आकर्षण की तलाश में निकल जाते हैं-मानो जीवन कोई मण्डी हो और प्रेम उसका सबसे सश्ता सिक्का।

घर में वही व्यक्ति कलह, कड़वाहट और अव्यवस्था की आग लेकर लौटता है। मधुरता, जो वह बाहर उदारता से बाँटता है, घर की चौखट के भीतर आते ही सूख जाती है-उसकी जगह ले लेते हैं रूखे शब्द, अस्थिर मन और थकान का बोझ।

इन सब परिस्थितियों की प्रतिक्रिया स्त्रियों में भी प्रतिशोध, प्रतिस्पर्धा और प्रतिरोध के रूप में उभरती है। वे संघर्ष में उतर आती हैं, कभी स्वयं को सिद्ध करने, कभी अपना खोया आत्मसम्मान खोजने, तो कभी केवल अपने अशितत्व की सुरक्षा के लिए। इसका परिणाम होता है-परिवारों का टूटना, बच्चों में दिशाहीनता, नशे की ओर झुकाव, और कम आयु में विपरीत लिंगी आकर्षण का असामान्य उभार।

बढ़ते अपराध, एकतरफा प्रेम की त्रासदियाँ, अवसाद, आत्महत्या और हिंसा-ये सब इसी टूट चुकी पारिवारिक नींव की उपज हैं। सोशल मीडिया उन घावों पर मरहम बनने की बजाय कई बार उन्हें और गहरा कर देता है।

सुख की तलाश में लोग दूसरों की सुख-शांति भी छीन ले जाते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने घरों में संवाद, प्रेम, आदर, विश्वास और धैर्य की गरिमा को पुनः स्थापित करें। तभी हम स्वस्थ, संतुलित समाज का निर्माण कर पाएँगे-ऐसा समाज जहाँ अगली पीढ़ियाँ टूटे मनों की विरासत नहीं, बल्कि स्नेह और समझ की पूँजी लेकर आगे बढ़ सकें। यदि मेरे शब्दों से किसी संवेदनशील हृदय को पीड़ा पहुँची हो, तो मैं सहृदय क्षमा याचना करती हूँ।

'वसुधैव कुटुम्बकम्' ने दी कराहती सांसों को संजीवनी की सौगात

डा. रवीन्द्र अरजरिया

संसार भर में भारत की मानवतावादी नीतियों का डंका एक बार फिर बज उठा। श्रीलंका के बाढ पीडितों तथा अफगानिश्तान के मरीजों हेतु भारत ने खाद्यान्न और चिकित्सीय सामग्री सहित अन्य आवश्यक वश्तुओं की सहायता समय रहते पहुंचाकर लोगों का दिल जीत लिया है।

'वसुधैव कुटुम्बकम' की मानवीय सिद्धान्त पर विश्वास करने वाले भारत ने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' को हमेशा ही अंगीकार किया जबकि अनेक देश निहित स्वार्थों के लिए जीवित जीवनियों को आतंकवाद की भेंट चढाने के षडयंत्र को ही अपना धर्म मानते हैं। अतीत में अनेक देशों से मिले कटुअनुभवों को भुलाकर वहां की कराहती मानवता की सहायता करने में देश निरंतर अग्रणीय रहा है।

भारत की मानवीय सहयोग की मानसिकता के चन्द उदाहरण ही उसके देवत्व को स्थापित करने के लिए पर्याप्त है। कलुषित मानसिकता वाले तुर्किये का नाम इन उदाहरणों में सबसे ऊपर आता है। एहसान फरामोश तुर्किये ने पाकिश्तान के साथ जुगलबंदी करके 'आपरेशन सिंदूर' के दौरान शत्रुता की भूमिका का खुलकर निर्वहन किया था जबकि भारत ने प्रथम विश्व युद्ध से निर्मित समस्याओं से लेकर सन् 2023 में आयी प्राकृतिक आपदाओं तक में उसका भरपूर सहयोग किया था।

सन् 1914 से लेकर 1918 तक चले प्रथम विश्व युद्ध के दौरान आटोमन साम्राज्य, जिसे वर्तमान में तुर्किये कहा जाता है, ब्रिटिश तथा उसकी सहयोगी सेनाओं से लड रहा था, तब भारत ने आटोमन साम्राज्य के समर्थन में 'खिलाफत आन्दोलन' चलाया था। उस समय आर्थिक मदद के अलावा भारतीय मेडिकल मिशन ने चिकित्सीय उपकरणों, दवाओं सहित इलाज हेतु चिकित्सकों का एक दल भेजा था जिसका नेतृत्व डा. एम.ए. अंसारी ने किया था।

उस समय भारत स्वयं गुलामी की बेडियों मे जकडा था परन्तु स्वयं की परवाह न करते हुए तुर्कों की सहायता की थी। अगश्त 1999 में तुर्किये के मारमारा क्षेत्र में 7.6 तीव्रता का भूकंप आया जिसमें 17 हजार से अधिक लोगों की मौतें और लाखों लोग बेघर हो गये थे। तब भी भारत ने भारी मात्रा में राहत सामग्री, चिकित्सीय सहायता भेजी थी। साल 2020-2021 के दौरान कराहते तुर्किये को भारत ने जरूरी दवाइयां, हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन और पैरासिटामोल सहित ऑक्सीजन सिलेंडर, वैंटिलेटर, और मास्क आदि मेडिकल सामग्री मुहैया कराई थी। 'वैक्सीन मैत्री' के तहत भी तुर्किये को कोविशील्ड वैक्सीन की खेपें भेजी थी जबकि भारत स्वयं इस महामारी से जूझ रहा था। फरवरी 2023 में तुर्किये और सीरिया में 7.8 तीव्रता का भयानक भूकंप आया।

इस आपदा में 50 हजार से अधिक अधिक मौतें हुईं, लाखों लोग बेघर हुए और भारी तबाही हुई। उस दौरान भारत ने 'ऑपरेशन दोश्त' चलाया और राहत कार्यों के लिए 150 विशेषज्ञों के तीन दल भेजे थे जिसमें चिकित्सक, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल तथा सहयोग पार्टियां भेजीं थी। भारत के खोजी कुत्तों, बचाव उपकरणों खोजी विशेषज्ञों ने मलबे में फंसे अनगिनत लोगों की जान बचाई थी। भारतीय सेना ने 30 बेड का एक फील्ड हॉस्पिटल बनाकर अपनी 99 सदस्यीय मेडिकल टीम के द्वारा प्रभावितों को इलाज किया।

तब देश से सैकडों टन राहत सामग्री एवं चिकित्सीय सामान लेकर भारतीय वायुसेना के C-17 और C-130 विमानों ने तुर्की की उडान भरी थी। उस समय वहां की जनता और सरकार ने भारतीय सहायता की प्रशंसा में जमकर कसीदे पढे थे परन्तु दोगली नीतियों का सिरमौर बनकर उसने भी भारत की पीठ में छुरा भौंकने की कोशिशें की। इसी तरह रोहिंग्याओं की समस्या के जनक म्यांमार के सागाइंग, मांडले, मैगवे, शान, पी ताव और बागो में विगत 28 मार्च 2025 को तीव्र भूकंप आया था।

वहां सहायता पहुंचाने वालों में सबसे ऊपर भारत का नाम अंकित है जिसने 'आपरेशन ब्रहमा' तहत भूकंप प्रभावितों हेतु भारतीय वायुसेना के शक्तिशाली सी-17 विमानों द्वारा हवाई मार्ग से, भारतीय नौसेना के आईएनएस करमुक, लैंडिंग क्राफ्ट यूटिलिटी, आईएनएस सतपुड़ा, आईएनएस सावित्री, आईएनएस घड़ियाल जहाजों से समुद्री मार्ग से 900 टन से अधिक राहत सामग्री तत्काल पहुंचाई थी। भारतीय सेना की शत्रुजीत ब्रिगेड की 'एयरबोर्न एंजेल्स' विशिष्ट टीम, इंडियन आर्मी फील्ड हॉस्पिटल यूनिट के 118 सदस्यों की सेवाओं वाला 200 बिश्तर युक्त अतिआधुनिक फील्ड अस्पताल, आपदा प्रबंधन में महारत रखने वाले खोजी एवं सहायता दल पहुंचाये थे जिनकी सेवाओं ने पीडितों को तत्काल राहत पहुंचाई थी।इसी तरह से अब अफगानिश्तान तथा श्रीलंका में भी भारतीय वायुसेना के सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान भरकर राहत सामग्री लेकर देवदूत की तरह पहुंच गये। वहां के नागरिकों के चेहरों पर मुस्कान खेलने लगी। अफगानिश्तान को 73 टन चिकित्सीय सामान भेजा है जिसमें जीवन रक्षक दवाएं, वैक्सीन, एंटी-वायरल दवाएं, सर्जिकल उपकरण, अस्पतालों के लिए जरूरी दवाइयां और अन्य चिकित्सा सामग्री शामिल है।

उल्लेखनीय है कि इसी समय पाकिश्तान लगातार अफगानिश्तान पर हमले कर रहा है जिससे दौनों देशों के मध्य तनाव चरम सीमा पर पहुंचता जा रहा है। आतंकी हमलों पर आरोपों-प्रत्यारोपों का बाजार गर्म है। पाकिश्तान अपनी चरमपंथी नीतियों के तहत कट्टरता की आड में आतंक को संरक्षण देने के लिए समूचे संसार में जाना जाता है।

भारत की मानवीय सहायता को लेकर पाक सरकार के उत्तरदायी लोग विकृत बयानों द्वारा परिभाषित कर रहे हैं। दूसरी ओर अफगानिश्तान के नागरिकों की आभार भरी टिप्पणियों के अलावा वहां के विदेश मंत्रालय ने इस सहायता को अफगानिश्तान के लोगों के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा बताया। इसी तरह अक्टूबर 2025 में भी भारत ने अफगानिश्तान को अतिआधुनिक उपकरणों से युक्त 20 एम्बुलेंस, भारी मात्रा में चिकित्सीय उपकरण देने के साथ-साथ छह नई स्वास्थ्य परियोजनाओं की घोषणा थी।

वही दूसरी ओर श्रीलंका में हफ्तों से हो रही भारी बारिश और बाढ़ से एक बडा भूभाग प्रभावित हो रहा है जिससे हजारों लोगों के सामने जीवन की आधारभूत सुविधाओं का टोटा पडा है। भूस्खलन, बाढ और निरंतर हो रही बरसात से कई क्षेत्रों में घर डूब गए, सड़कें टूट गईं और प्रभावित क्षेत्रों के वासिन्दे खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

इस प्राकृतिक आपदा में भारत ने तुरंत अपनी वायुसेना के सी-130जे विमान से 15 टन से अधिक राहत वहां के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन केन्द्र को सौंपी जिसमें टेंट, तारपोलीन शीट्स, कंबल, हाईजीन किट, पानी शुद्ध करने की गोलियां, सोलर लैंप और अन्य आवश्यक सामग्री शामिल हैं।

श्रीलंका में बारी बारिश, बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 80 लोगों की मौत हो चुकी है। डेढ़ लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। भारत की दरियादिली और मानवतावादी विचारधारा ने हमेशा ही कराहती सांसों को संजीवनी की सौगात भेंट की जिसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। वह दिन दूर नहीं जब इस तरह के सकारात्मक कृत्यों से भारत एक बार फिर विश्वगुरु के सिंहासन पर आसीत होगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

यह है देश में चल रही 'स्पेशल रेल गाड़ियों' के संचालन की सच्चाई

तनवीर जाफ़री

गत दिनों अपने किसी निजी कार्यवश अचानक बिहार जाने का कार्यक्रम बन गया। प्रायः शहीद या सरयू यमुना एक्सप्रेस से पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मेरा दरभंगा आना जाना होता है परन्तु इस बार चूँकि मात्र एक सप्ताह पूर्व ही दरभंगा जाने की तिथि निर्धारित हुई इसलिये शहीद या सरयू यमुना एक्सप्रेस में आरक्षण न मिल पाने के चलते आने जाने हेतु अन्य विकल्प तलाश करने पड़े।

ऐसे ही वैकल्पिक ट्रेन थी अमृतसर-जयनगर 'स्पेशल ट्रेन' यानी 04652। इस ट्रेन के अमृतसर से अंबाला पहुंचने का निर्धारित समय दोपहर 2 बजकर 50 मिनट था और दरभंगा पहुंचने का निर्धारित समय अगले दिन शाम 5.30 बजे था। अर्थात पूरी यात्रा लगभग 26 घंटे 30 में तय होनी थी।

परन्तु यह ट्रेन अगले दिन शाम 5.30 बजे दरभंगा पहुँचने के बजाये तीसरे दिन सुबह लगभग 8.30 बजे पहुंची। यानी यह 'स्पेशल ट्रेन' 04652 लगभग 15 घंटे की देरी से दरभंगा पहुंची। इतना ही नहीं जहाँ दूसरी मेल एक्सप्रेस ट्रेन्स का अंबाला-दरभंगा का ए सी थ्री का किराया लगभग 1500 रुपये है वहीं इस तथाकथित 'स्पेशल ट्रेन' के नाम पर यात्रियों से किराया भी क़रीब 2000 / रूपये वसूल किये गये।

इसी तरह वापसी के लिये भी जिस ट्रेन में ए सी थ्री श्रेणी में आरक्षण मिल सका वह भी दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन 02569 थी। इसका भी दरभंगा से छूटने का निर्धारित समय सुबह 6 बजकर 30 मिनट था परन्तु यह वहां से प्रातः 9 बजकर 40 मिनट पर यानी तीन घंटा दस मिंट के विलंब से रवाना हुई।

और अपने निर्धारित समय यानी अगले दिन सुबह 4 बजे नई दिल्ली पहुँचने वाली यह स्पेशल ट्रेन लगभग 1. 30 बजे दोपहर अर्थात क़रीब दस घंटे की देरी से नई दिल्ली स्टेशन पहुँच सकी। इसका भी ए सी थ्री श्रेणी का किराया 1900 रूपये था जबकि अन्य सामान्य मेल एक्सप्रेस ट्रेन्स में 1500 के आस पास होता है।

इस लेट लतीफ़ी के परिणाम स्वरूप कितने यात्रियों को किन किन परेशानियों का सामना करना पड़ा रेल विभाग को इससे कोई लेना देना नहीं।

राश्ते में ट्रेन में खाने पीने व वाशरूम में जल आपूर्ति संबंधी कैसी कैसी परेशानियों का सामना यात्रियों ने किया रेल विभाग से इसका भी कोई वाश्ता नहीं। रेल विभाग को तो यात्रियों की जेब से 'स्पेशल ट्रेन' के नाम पर ठगे गए फ़ालतू किराये भर से ही मतलब है।

इस समय आपको देश के कई भाग से इसी तरह की अनेक ट्रेन स्पेशल ट्रेन या क्लोन ट्रेन के नाम से चलती दिखाई दे जाएँगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें अधिकांश स्पेशल या क्लोन ट्रेन इसी तरह घंटों नहीं बल्कि दिन के हिसाब से लेट चल रही हैं।

जानकारी जुटाने पर पता चला कि यह वही ट्रेन्स हैं जिन्हें पिछले दिनों त्योहारों के दौरान स्पेशल ट्रेन या क्लोन ट्रेन के नाम से चलाया गया था।

परंतु चूंकि इसका किराया अन्य ट्रेन्स की तुलना में काफ़ी अधिक है और यात्रियों की संख्या अधिक होने के चलते यह ट्रेन्स त्यौहार ख़त्म होने के बावजूद अभी भी यात्रियों की भारी भीड़ ढो रही हैं इसलिये रेल विभाग भी इसे अपनी कमाऊ योजना समझकर त्यौहार ख़त्म होने के बावजूद अभी भी चला रहा है।

अब चूँकि इस तरह की स्पेशल या क्लोन रुपी ट्रेन्स सप्ताह में 3 या चार दिन ही चलती हैं इसलिये इनके एक या दो दिन लेट हो जाने पर भी रेल विभाग को कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता।

हाँ यात्रियों को जो परेशानियां उठानी पड़ती है उसका रेल विभाग या सरकार से कोई वाश्ता ही नहीं। किसी यात्री की अस्पताल में डॉक्टर से महीनों पहले ली गयी अपॉइंटमेंट निरश्त हो जाती है जिससे उसकी जान व सेहत प्रभावित होती है। किसी की परीक्षा छूट जाती है किसी को नौकरी ज्वाइन करनी होती है किसी को शादी ब्याह में शामिल होना होता है। गोया लोगों की तरह तरह की व्यशतताओं पर रेल विभसग की लेट लतीफ़ी पानी फेर देती है।

जब स्पेशल या क्लोन ट्रेन के नाम पर संचालित रेलगाड़ियों की यह स्थिति है तो सामान्य ट्रेन्स की हालत का अंदाज़ा भी आसानी से लगाया जा सकता है। ख़ासकर बिहार की ओर जाने वाली गाड़ियां तो लगभग हमेशा ही विलंब व अति विलंब से ही चलती हैं। सुबह की ट्रेन शाम व शाम को पहुँचने वाली ट्रेन का अगले दिन सुबह अपने गंतव्य तक पहुंचना तो गोया आम बात हो चुकी है।

सच तो यह है कि सरकार की प्राथमिकताओं में पहले से चल रही सामान्य/एक्सप्रेस व मेल ट्रेन्स को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार संचालित करना नहीं बल्कि वंदे भारत ट्रेन्स की संख्या बढ़ाना है।

वंदे भारत ट्रेन्स संचालित करने के पीछे भी यही कहानी है कि इसमें अन्य ट्रेन्स की तुलना में किराया काफ़ी अधिक है जिसे साधारण व्यक्ति ख़ासकर 5 किलो मुफ़्त राशन पर जीने को मजबूर व 10 हज़ार रूपये लेकर वोट डालने वाली महिलायें तो कम से कम सहन नहीं कर सकतीं।

सरकार की दूसरी प्राथमिकता देश के चुनिंदा रेल स्टेशन को चमकाने व उनका रंग रोग़न करने की है। भले ही इन स्टेशन पर भिखारी कुत्ते गाय सांड आदि क्यों न डेरा जमाये हों। देश के अधिकांश रेलवे स्टेशन दशकों से नशेड़ियों व अपराधियों की शरण स्थली बने हुये हैं। आज भी देश के अनेक स्टेशन पर लूट चोरी, जेब कतरी, ज़हर खुरानी, अवैध यात्री, रिश्वत ख़ोरी आदि अपराध धड़ल्ले से अंजाम दिए जाते हैं।

शर्मनाक तो यह है कि देश के तमाम रेल स्टेशन पर बाक़ायदा रेल विभाग की ओर से लाउडस्पीकर से जेब कतरों से सावधान रहने, ज़हर खुरानी से बचने व अपने सामन की सुरक्षा करने जैसी घोषणायें बार बार की जाती हैं।

परन्तु सरकार के पास यात्रियों को सुरक्षित व आरामदायक यात्रा मुहैया कराने की न तो कोई योजना है और शायद न ही यह उसकी भावी योजनाओं का हिस्सा प्रतीत होती है। बल्कि सरकार तो बुलेट ट्रेन चलाने की योजना पर काम कर रही है।

शायद बिहार जैसे राज्यों से आने वाले ताज़ातरीन चुनाव परिणामों के बाद सरकार इस निष्कर्ष पर भी पहुँच चुकी है कि यू पी व बिहार जैसे घनी आबादी वाले राज्यों की जनता जब मुफ़्त राशन व नक़द पैसों के बदले वोट दे ही देती है तो उसे निर्धारित समय सारिणी के अनुसार ट्रेन संचालन जैसे विषय से क्या लेना देना?

और जिस जागरूक व शिक्षित वर्ग के रेल यात्री ट्रेन्स की लेटलतीफ़ी या ट्रेन संचालन की अन्य त्रुटियों से प्रभावित होते भी हैं या इसे महसूस करते हैं उनकी संख्या 'लाभार्थी मतदाताओं ' से तो आख़िर कम ही है? जो भी हो परन्तु कुल मिलाकर यही है देश में चल रही 'स्पेशल रेल गाड़ियों ' के संचालन की सच्चाई।

कानून की परिभाषा अक्सर बदल जाती है

पुनरीक्षण याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने 2-1 के बहुमत से मई में दिए गए फैसले को पलट दिया है। नतीजतन, पर्यावरण मंजूरी की बिना परवाह किए काम शुरू करो और बाद में मंजूरी ले लो-यह चलन जारी रहेगा। कानून यह है कि कोई किसी भी निर्माण परियोजना पर काम पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिलने के बाद ही होना चाहिए।

मगर सरकार ने पहले 2017 में एक अधिसूचना और फिर 2021 में ऑफिस मेमोरेंडम के माध्यम से प्रावधान कर दिया कि बिना पर्यावरण संबंधी हरी झंडी लिए जिन परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ चुका है, उन्हें बाद में ऐसी मंजूरी दी जा सकेगी। मुद्दा है कि कोई परियोजना जब पर्यावरण को क्षति पहुंचा चुकी हो, तो फिर उसे मंजूरी देने या ना देने की क्या अहमियत है? बहरहाल, सरकार ने ऐसा प्रावधान किया, तो उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। इस वर्ष मई में सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रावधान को रद्द कर दिया।

दो जजों की बेंच ने उचित निर्णय दिया कि ऐसा करना कानून और उसकी भावना के खिलाफ है। मगर चूंकि इस फैसले से बड़े-बड़े हित प्रभावित हो रहे थे, तो पुनरीक्षण याचिका पर कोर्ट ने तीन जजों की बेंच बनाई। अब उस बेंच ने 2-1 के बहुमत से मई में दिए गए फैसले को पलट दिया है। यानी पर्यावरण मंजूरी की बिना परवाह किए काम शुरू करो और बाद में मंजूरी ले लो-यह चलन जारी रहेगा। मई में फैसला देने वाली बेंच में शामिल रहे जज जस्टिस उज्जल भुइंया नई बेंच में भी थे। उन्होंने असहमत फैसला दिया। इसमें उचित ही उन्होंने दिल्ली में छाये स्मॉग का उदाहरण देते हुए देश में गहराते जा रहे पारिस्थितिकीय संकट का हवाला दिया।

उन्होंने इस दलील को ठुकरा दिया कि मई का फैसला लागू रहने पर अरबों रुपये का निर्माण तोडना होगा, इसलिए फैसले को उलट दिया जाए। लेकिन बाकी दो जजों ने 20 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति के दांव पर लगे होने का तर्क देते हुए निर्णय को पलट दिया। वैसे उनके सामने विकल्प यह भी था कि कानून के हुए उल्लंघन पर भारी जुर्माना लगाते, उल्लंघन होने देने के दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करते, और निर्णय देते कि आगे से ऐसा करने की अनुमति नहीं होगी। संदेश साफ है, जब धनी-मानी लोगों के हित जुड़े हों, तो अक्सर कानून की परिभाषा बदल जाती है!

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

बुंदकी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बैठक सम्पन्न, कार्यकर्ताओं को सौंपी गई बड़ी जिम्मेदारी

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷। नगीना रोड बुंदकी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बुंदकी इकाई की घोषणा की गई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला संयोजक SFD वरुण चौहान एवं तहसील सयोजक गौरव तोमर ओर नगर मंत्री देव सिंह रहे ।इस बैठक में आगे के होने वाले कार्यक्रमो पर गहनता से चर्चा हुई।, वही कुछ कार्यकर्ता को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बड़ी जिम्मेदारी सौंपा गई।इस महत्वपूर्ण बैठक में बड़ी संख्या में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता ओर पद अधिकारी. (सह नगर मंत्री,भवनीश कुमार), नगर संयोजक, मोहम्मद रिहान) (नगर सहसंयोजक, देवांग कुमार) (नगर सहसंयोजक SFS निखिल तिवाल) (नगर संयोजक SFD विकास कश्यप) (नगर सहसंयोजक SFD आर्यन एवं निखिल चौहान) ओर तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे !

शाहनवाज खलील ने किया अल इकरा चिकन प्वाइंट का फीता काटकर उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। रायपुर रोड पर अल इकरा चिकन प्वाइंट का उद्घाटन आज सुबह 11:00 बजे चेयरमनों के अध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील ने फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के समय सैकड़ो लोग मौजूद रहे अल इकरा चिकन पॉइंट के स्वामी मोहम्मद रिजवान ने बताया कि हमारे अल इकरा चिकन प्वाइंट रेस्टोरेंट में हर प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन में चिकन चंगेजी बटर चिकन वाइट चिकन अचारी चिकन फ्राई चिकन चिकन रोल तरह तरह के व्यंजन हमारे रेस्टोरेंट में ज़ायकेदार खाना बाहर के कारीगर द्वारा तैयार किया जाएगा। हर तरह का चिकन आपको मिलेगा एक बार सेवा का अवसर जरूर दें। उद्घाटन में उपस्थित चेयरमनों के अध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील नगर पालिका से धीरज राय वर्मा सोनू जमादार रोहित सिंह बिट्टू जमादार अफजल मेंबर वसीम अंसारी एडवोकेट लियाकत मलिक शमसुद्दीन फुरकान अहमद इस्लाम अहमद जहीर अहमद रईस अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

बेटियों के लिए अमर्यादित भाषा बोलने वालों पर हो कड़ी कार्रवाई : सुमित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित सुमित शिब्बो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर मध्य प्रदेश के आई.ए.एस. अधिकारी संतोष वर्मा के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। पंडित सुमित शिब्बो ने कहा कि संतोष वर्मा द्वारा 'ब्राह्मण बेटियों के खिलाफ अभद्र और अश्लील भाषा' का प्रयोग अत्यंत गंभीर मामला है। ऐसे अधिकारी के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी, निलंबन तथा आवश्यकतानुसार मनोरोग परीक्षण कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संतोष वर्मा जैसे लोग जातीय वैमनस्य फैलाने और समाज को बांटने की साजिश कर रहे हैं। जातीय आरक्षण का लाभ लेकर बेलगाम हुए ऐसे अधिकारी पूरे ब्राह्मण समाज की बेटियों के सम्मान पर प्रहार कर रहे हैं, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। पंडित सुमित शिब्बो ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ऐसे अधिकारियों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो ब्राह्मण समाज राष्ट्रव्यापी आंदोलन करने को बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज किसी भी परिस्थिति में अपनी बेटियों के सम्मान से समझौता नहीं करेगा। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने स्पष्ट किया कि समाज के सम्मान की रक्षा के लिए आवश्यक होने पर वह संतोष वर्मा के खिलाफ न्यायिक और लोकतांत्रिक संघर्ष के सभी विकल्पों को अपनाएगी।

मिशन कायाकल्प से बदलेगी रेलवे रोड के सरकारी स्कूलों की सूरतेहाल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। रेलवे रोड सराय नवाब कोयले वाली गली में संचालित कन्या विद्यालय 12, कन्या पाठशाला 35 नंबर व जूनियर हाई स्कूल परिसर की जर्जर हालत को सुधारने का बीड़ा नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने उठाया है। नगर आयुक्त ने यहाँ संचालित तीनों विद्यालय का मिशन कायाकल्प के तहत संवारने व आवश्यक निर्माण के लिए अधीनस्थों को तत्काल व्यय का प्रस्ताव करने के निर्देश जारी किए है। नगर आयुक्त ने पूर्व पार्षद मनीष वूल व स्थानीय व्यपारियों के साथ इन तीनों विद्यालय का निर्माण विभाग के इंजीनियरों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने इन विद्यालय के बच्चों से उनकी समस्याओं को जानने के लिए संवाद किया नगर आयुक्त ने बच्चों से मिड डे मील व दिन वार दिए जाने वाले भोजन के बारे में फीडबैक भी लिया। स्कूल में होने वाले जल भराव, गंदगी, पेयजल की समस्या, शौचालय की समस्या व बच्चों के स्कूल प्रवेश मार्ग की समस्या पर बच्चों को नगर आयुक्त ने जल्द से जल्द समस्याओं का निदान कराने का भरोसा जताया।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत...

25 फीसदी छूट पर जमा करा सकेंगे बकाया बिल

आगरा , एजेंसी। बिजली विभाग अपने उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत देने के लिए एक दिसंबर से बिजली बिल राहत योजना लागू कर रहा है। इसमें बकायेदारों को सरचार्ज माफी के साथ मूलधन में भी 25 फीसदी की छूट दी जाएगी।

मुख्य अभियंता कपिल सिंधवानी ने बताया कि योजना के प्रचार-प्रसार के लिए तहसील, ब्लॉक और ग्राम पंचायत के मुख्यालयों पर होर्डिंग लगाए जा रहे हैं। गांव-गांव लाउडस्पीकर से मुनादी कराई जा रही है। अधिकारी जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसी भी उपभोक्ता को योजना के समझने में दिक्कत होती है तो वह बिजली विभाग के हेल्पलाइन नंबर 1912 पर भी संपर्क कर सकता है।

पंजीकरण कराना अनिवार्य

योजना का लाभ लेने के लिए पंजीकरण कराना अनिवार्य है। इसके लिए उपभोक्ता बिजली विभाग के कार्यालय, जनसेवा केंद्र, यूपीपीसीएल कंज्यूमर एप, फिनटेक प्रतिनिधि, मीटर रीडर और विभागीय वेबसाइट के जरिए पंजीकरण करा सकते हैं। न्याय पंचायत स्तर पर भी कैंप लगाए जाएंगे, जहां उपभोक्ता पंजीकरण कराने के साथ बकाया भी जमा करा सकेंगे।

चोरी के राजस्व निर्धारण में जमा होगा 50 फीसदी

मुख्य अभियंता ने बताया कि जनपद में 17 हजार चोरी के मामले हैं। इन पर 90 करोड़ रुपये का बकाया है। इस योजना में ऐसे उपभोक्ताओं को सरचार्ज के साथ मूलधन में 50 फीसदी की भी छूट दी जाएगी। इसके लिए उपभोक्ता को 2 हजार रुपये जमा कर पंजीकरण कराना होगा। ये 2 हजार रुपये की धनराशि मूलधन जमा करते समय राशि में जोड़ दी जाएगी।

उपभोक्ताओं को मिलेगा किश्तों में भुगतान करने का लाभ

इस योजना में उपभोक्ताओं को एकमुश्त और किस्तों में भुगतान करने का भी लाभ मिलेगा। यदि योजना के अनुसार पूर्ण भुगतान नहीं किया जाता है तो उपभोक्ता को किसी प्रकार की छूट का लाभ नहीं मिलेगा और लाभार्थी को पूरा बिल जमा करना पड़ेगा।

इस प्रकार मिलेगा योजना का लाभ

प्रथम चरण की एक मुश्त योजना में एक से 31 दिसंबर तक 25 फीसदी, 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक 20 फीसदी और तृतीय चरण में 1 फरवरी से 28 फरवरी तक 15 फीसदी तक का लाभ मिलेगा। किश्तों में भुगतान पर 750 रुपये प्रति माह की किश्त पर 10 फीसदी और 500 रुपये प्रतिमाह की किस्त पर 5 फीसदी तक का लाभ मिलेगा। सभी चरणों में ब्याज पर 100 फीसदी की छूट दी जाएगी।

बकाया बिजली बिल जमा करने पर 25 प्रतिशत की छूट, 100 फीसदी माफ होगा ब्याज... एक दिसंबर से शुरू होगी योजना

लखनऊ , एजेंसी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं को विद्युत बिल राहत योजना का लाभ दिलाएं। एक दिसंबर से शुरू हो रही योजना में बकायेदारों का शत प्रतिशत ब्याज माफ होगा और मूलधन में 25 फीसदी की छूट मिलेगी। वह शुक्रवार को शक्तिभवन में विद्युत बिल राहत योजना 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि घरेलू उपभोक्ता (2 किलोवाट तक) और दुकानदार उपभोक्ता (एक किलोवाट) को आसान किस्तों में भुगतान, औसत खपत के आधार पर बढ़े हुए बिलों में स्वतः कमी तथा बिजली चोरी से जुड़े पुराने मामलों में भी राहत प्रदान की जाएगी। ऊर्जा मंत्री ने सभी डिस्कॉम, पॉवर कॉर्पोरेशन और ट्रांसमिशन निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के दौरान डे-टू-डे रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए और क्षेत्रीय अभियंता प्रतिदिन फील्ड में निरीक्षण करें ताकि किसी भी उपभोक्ता को आवेदन, पंजीकरण या बिल संशोधन में कोई कठिनाई न हो।

ज्यादा से ज्यादा कराएं पंजीयन

पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने कहा कि बिजली बिल राहत योजना का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। नेवर पेड, लॉग अनपेड उपभोक्ता तथा चोरी के मामलों के लिए सभी वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि अपने अपने क्षेत्रों में योजना के पात्र उपभोक्ताओं का पंजीकरण कराकर बकाया जमा कराएं। जिला प्रशासन से संपर्क कर सभी विभागों का सहयोग लेकर एक-एक उपभोक्ता तक योजना को पहुंचाएं।

इस तरह मिलेगा लाभः

एक दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक चलने वाली इस योजना का लाभ लेने के लिए घरेलू एवं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को वेबसाइट, यूपीपीसीएल कंज्यूमर एप, विभागीय कार्यालय, जनसेवा केंद्र, फिनटेक एजेंट या मीटर रीडर के माध्यम से पंजीकरण कराना होगा। अधिक जानकारी के लिए 1912 पर संपर्क किया जा सकता है।

सास ने की बहू की शिकायत, नेहा ने घोंट दिया गला, लाश फंदे पर लटकाई

मैनपुरी , एजेंसी। सास ने बहू के फोन पर बात करने की शिकायत उसके मायके में कर दी। आरोप है कि आग बबूला बहू ने शुक्रवार शाम अपने रिश्तेदारों को बुला लिया और उनकी मौजूदगी में सास तारावती (47) की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को फंदे पर लटका दिया। घटना यूपी के मैनपुरी स्थित गांव धारऊ की है। पति की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने पत्नी, उसके फूफा व बहन के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई है।

गांव धारऊ निवासी नीशू ने बताया कि उसकी पत्नी नेहा फोन पर किसी से बात करती है। मां तारावती ने इसकी शिकायत नेहा के पिता से कर दी थी। इससे पत्नी नाराज थी। शुक्रवार शाम वह घर पर नहीं थी। नेहा ने उन्हें फोन कर कहा, मेरे फूफा उदयपाल, बहन पूजा घर आए हुए हैं। नीशू ने पत्नी से कहा, तुम उन लोगों को चाय-नाश्ता कराओ मैं आता हूं। इस पर पत्नी ने कहा, ये लोग नाश्ता करने नहीं, तुम्हारी मां ने जो शिकायत की है, उसी बारे में बात करने आए हैं, जल्दी से घर आ जाओ।

नीशू पत्नी को गुस्से में देख कुछ देर बाद घर पहुंच गया, दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर खटखटाने के बाद पत्नी नेहा ने दरवाजा खोला। उसने देखा कि गैलरी में मां का शव फंदे से लटका हुआ है। नीशू ने पत्नी, उदयपाल और पूजा से कहा कि तुम लोगों ने मां को क्यों मार दिया। आरोप है कि इस पर तीनों ने मिलकर उसे पीटना शुरू कर दिया। वह चीखने लगा तो वे भाग निकले।

पुलिस ने शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया, नीशू की तहरीर पर पत्नी, उसकी बहन पूजा व फूफा उदयवीर के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। नीशू ने कहा कि 18 नवंबर को उसने अपने ससुर महावीर निवासी एहमदपुर, थाना करहल को घर पर बुलाया था और पत्नी नेहा की शिकायत की थी। कहा था कि दुकान पर जाने के बाद मां को मारती थी, मां तारावती ने उनसे अपनी बेटी को कुछ दिन के लिए घर ले जाने के लिए कहा था। बताया था कि वह खाना नहीं देती और आए दिन मारने की धमकी देती थी। आरोप है कि तब ससुर ने भी कहा था कि मेरी बेटी यहीं रहेगी, तुझे जाना है चली जा। वह भी पुत्री का सहयोग करते थे।

जाली आधार कार्ड बनवाकर लखनऊ में रह रही बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

लखनऊ , एजेंसी। जाली आधार कार्ड बनवाकर राजधानी में रह रही बांग्लादेशी महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एटीएस में तैनात दरोगा रवि प्रकाश की तहरीर पर ठाकुरगंज थाने में दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने महिला के जाली दस्तावेज तैयार करने वाले को भी गिरफ्तार किया है।

शासन के निर्देश के बाद प्रदेश में छिपकर रहने वाले बांग्लादेशियों की तलाश तेज हो गई है। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर एटीएस ने छानबीन की। सूत्रों के मुताबिक, छानबीन में पता चला कि एक महिला ठाकुरगंज में किराये के मकान में रहती है, जिसकी गतिविधियां संदिग्ध हैं। एटीएस ने पड़ताल के दौरान महिला को हिरासत में लिया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम नरगिस अख्तर उर्फ निर्मला देवी उर्फ जैसमीन (30) बताया। महिला के पिता का नाम फजलुल खान है।

महिला ने पूछताछ में बताया कि गोसाईंगंज के रसूलपुर बेगरिया निवासी हरिओम आनंद ने उसका जाली आधार कार्ड बनवाया था। इसके बाद एटीएस ने हरिओम आनंद को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पूछताछ में हरिओम ने फर्जीवाड़ा स्वीकार कर लिया। वह मूलरूप से बलिया के पटरानी उंभाव का रहने वाला है। माना जा रहा है कि हरिओम का एक गिरोह है, जो जाली कागजात बनाता है।

घुसपैठ कर पहुंची, बांग्लादेश के जलोकाटी में रहते हैं पिता : पूछताछ में नरगिस अख्तर ने बताया कि उसके पिता बांग्लादेश के जलोकाटी में रहते हैं। ननिहाल केकसिरा जिले के बबनाना में है। वह कुछ माह पहले घुसपैठ कर भारत की सीमा में दाखिल हुई। इसके बाद लखनऊ पहुंची। लखनऊ में उसकी मुलाकात हरिओम आनंद से हुई। हरिओम ने पैसे खर्च करने पर जाली आधार कार्ड बनवाने की बात कही। इसके बाद महिला ने उसे कुछ पैसे भी दिए। रकम लेने के बाद आरोपी ने नरगिस अख्तर का निर्मला देवी के नाम से आधार कार्ड बनवा दिया।

महिला के पास मिले तीन जाली आधार कार्ड : छानबीन में नरगिस के पास से तीन जाली आधार कार्ड मिले हैं। खुफिया एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि नरगिस के साथ और कितने लोग घुसपैठ कर भारत आए हैं। उसके लखनऊ आने को लेकर भी जांच एजेंसियां छानबीन कर रही हैं। नरगिस के कनेक्शन और उसके करीबियों के बारे में पता लगाया जा रहा है। देश में दाखिल होने के बाद वह कहां-कहां गई, इसका ब्योरा भी जुटाया जा रहा है।

कुछ दिन पहले पकड़ा गया था बांग्लादेशी, खंगाल रहे कनेक्शन : हाल में ही वजीरगंज पुलिस ने एक बांग्लादेशी को ठगी के मामले में गिरफ्तार किया था। पुलिस अब नरगिस अख्तर से उसका कनेक्शन खंगाल रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि नरगिस कहीं उसी के साथ तो लखनऊ नहीं आई थी।

कैसे होगी पढ़ाई: वाराणसी के आठ विद्यालयों में गणित, सात में विज्ञान और छह में कंप्यूटर के शिक्षक नहीं, परेशानी

वाराणसी , एजेंसी। जिले के माध्यमिक विद्यालयों में आधे से ज्यादा शैक्षणिक सत्र बीत जाने के बाद भी 13 फीसदी शिक्षकों की कमी है। पूरे जिले में स्वीकृत 292 शिक्षकों के पदों में से 40 पद खाली हैं। अब तक छात्रों को 8 विद्यालयों में गणित, 7 में विज्ञान और 6 में कंप्यूटर समेत 10 से ज्यादा विषयों के शिक्षक नहीं मिल पाए हैं। दो महीने में बच्चों की बोर्ड परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं और कई प्रमुख विषयों के कोर्स अब तक पूरे नहीं हो पाए हैं।

वाराणसी में कुल 40 राजकीय हाईस्कूल और इंटर विद्यालय हैं। इनमें कुल 292 शिक्षकों के पद स्वीकृत हैं। प्रमुख विषयों के शिक्षकों का न होना पढ़ाई को प्रभावित करता है। इससे दूसरे शिक्षकों को अन्य विषयों की कक्षाएं लेनी पड़ती हैं। बोर्ड ने परीक्षा का शेड्यूल भी जारी कर दिया है। 18 फरवरी से परीक्षा शुरू होने वाली हैं। गणित, विज्ञान, कंप्यूटर जैसे प्रमुख विषयों की परीक्षा भी शुरूआत में ही हैं।

सात राजकीय विद्यालयों में शिक्षक नहीं

जिले के सात राजकीय विद्यालयों में गणित और विज्ञान दोनों प्रमुख विषयों के शिक्षक नहीं हैं। ऐसे में दोनों प्रमुख विषयों के लिए विद्यालयों को अतिरिक्त शिक्षक की व्यवस्था करनी पड़ी है। छात्रों का कोर्स जैसे-तैसे पूरा कराया जा रहा है।

एक शिक्षक के भरोसे 100 से 150 छात्र

शिक्षकों की कमी का असर न सिर्फ छात्रों पर पड़ता है बल्कि उन शिक्षकों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है, जिनकी ड्यूटी अतिरिक्त क्लास के लिए लगाई जाती है। जिससे एक शिक्षक के भरोसे 100 से 150 छात्रों की जिम्मेदारी होती है।

वन विभाग की जमीन पर कब्जे का प्रयास...जड़ समेत उखाड़ दिए पेड़

आगरा , एजेंसी। आगरा के एकता थाने में वन रक्षक ने ताज वन ब्लॉक के आरक्षित वन क्षेत्र में कॉलोनी बनाने के लिए वन भूमि पर कब्जा करने और हरे पेड़ काटने की शिकायत की है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

वन रक्षक संतोष कुमार गर्ग ने पुलिस को बताया कि 19 नवंबर को वह अपने सेक्शन ऑफिसर और वन दरोगा रामप्रकाश के साथ गश्त पर थे। तभी टिन के नगला क्षेत्र के पास वन सीमा से सटी भूमि पर खुदाई होती दिखी। मौके पर पहुंचकर पता चला कि भूमि के किनारे न्यू ताज सिटी कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों से पूछताछ में जानकारी हुई कि यह कार्य सुरेंद्र पटेल (निवासी अर्जुनपुरा मथुरा), मिहखान सिंह (निवासी औरैया), स्वतंत्र कुमार (निवासी इटावा) और सतेंद्र सिंह (निवासी शाहगंज) करा रहे हैं। आरोप है कि ये लोग रात के समय मशीन से सरकारी भूमि की खुदाई कर वन क्षेत्र को घेरने की कोशिश कर रहे थे।

इससे पहले गश्त के दौरान वन विभाग की टीम ने चेतावनी दी थी। इसके बाद भी आरोपियों ने वन क्षेत्र में आठ जूली लोरा प्रजाति के पेड़ों को जड़ समेत उखाड़कर गायब कर दिया। आरोपी कॉलोनी में जमीन लेने के इच्छुक लोगों को वन विभाग से अनापत्ति पत्र प्राप्त होने की कहकर गुमराह कर रहे हैं।

एसीपी ताज सुरक्षा पियूष कांत राय ने बताया कि शिकायत पर आरोपियों पर भारतीय वन अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपों की जांच की जा रही है।

ठंड से होगी दिसंबर की शुरुआत

पहले दिन ही कोहरे की एंट्री का अलर्ट; कंपाएंगी पछुआ हवाएं

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में फिर मौसम में बदलाव की आहट है। रविवार से प्रदेश में उत्तरी पछुआ हवाएं रफ्तार पकड़ेंगी। इससे अगले दो दिनों में पश्चिमी यूपी में दिन व रात के तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट के आसार हैं। हालांकि, रविवार को पूर्वांचल और बुंदेलखंड में दिन के तापमान में बढ़त की संभावना जताई गई है।

सोमवार से पूरे प्रदेश में ठंड में बढ़ेगी। इससे पहले शनिवार को प्रदेश में 7.7 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ कानपुर शहर सबसे ठंडा रहा। इटावा में रात का पारा 8 डिग्री और बरेली में 9 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

हल्के से मध्यम कोहरे के आसार : आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि अगले दो दिनों में उत्तरी पछुआ हवाओं का असर पूरे प्रदेश में दिखाई देगा। इससे ठंड बढ़ेगी। सोमवार को सुबह तराई समेत ज्यादातर इलाकों में सुबह-शाम हल्के से मध्यम कोहरे के आसार हैं।

मेगा जॉब फेयर: लखनऊ... वाराणसी, गोरखपुर और झांसी में लगेंगे, 15 हजार युवाओं को मिलेगी नौकरी

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में उप्र कौशल विकास मिशन युवाओं को प्रशिक्षण देने के साथ ही उनको रोजगार दिलाने के लिए भी काम करेगा। इस क्रम में मिशन की ओर से लखनऊ, गोरखपुर, झांसी, वाराणसी और मुजफ्फरनगर में मेगा जॉब फेयर (वृहद रोजगार मेला) का आयोजन किया जाएगा। इनमें लगभग 100 कंपनियों की भागीदारी और 15 हजार से अधिक को रोजगार दिलाने का लक्ष्य है।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बैठक में आयोजन की तैयारी के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार मेलों में अधिकतम युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी और ज्यादा से ज्यादा युवाओं को नौकरी दिलाई जाएगी।

रुचि के अनुरूप नए व्यवसाय शुरू करें युवा

मंत्री ने निर्देश दिया कि सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षकों की उपस्थिति और प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। अच्छा प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को प्रोत्साहित और कमजोर प्रदर्शन वाले संस्थानों से स्पष्टीकरण लिया जाए। उद्योगों की मांग और युवाओं की रुचि के अनुरूप नए व्यवसाय शुरू करें।

बैठक में बताया गया कि इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता के तहत मंडल स्तरीय प्रतियोगिताएं 1 से 10 दिसंबर के बीच होंगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 20 दिसंबर से 20 जनवरी के बीच होंगी। बैठक में प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम, विशेष सचिव अभिषेक सिंह, निदेशक कौशल विकास मिशन पुलकित खरे आदि शामिल हुए।

आईआईटी-आईआईएम व एमएनआईटी बनेंगे नॉलेज पार्टनर

प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और मजबूत करने के लिए कौशल विकास मिशन ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की तथा मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर को नॉलेज पार्टनर बनाया है। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ सहित अन्य प्रमुख संस्थानों को भी इसमें शामिल करने की प्रक्रिया चल रही है। ताकि पाठ्यक्रम विकास, मूल्यांकन सुधार और उद्योगों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित होगा। प्रशिक्षकों की क्षमता वृद्धि के लिए वाधवानी संस्था के साथ एमओयू करके प्रशिक्षण शुरू किया है।

रांची वनडे :

'रनमशीन' विराट कोहली ने जड़ा 52वां वनडे शतक

● भारत ने दक्षिण अफ्रिका को दिया 350 का लक्ष्य

रांची, एजेंसी। विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में जारी वनडे सीरीज के पहले मैच में शतकीय पारी खेली। कोहली ने 102 गेंदों में यह शतक पूरा किया, जो उनके वनडे करियर का 52वां शतक रहा। विराट कोहली वनडे फॉर्मेट में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। 37 वर्षीय बल्लेबाज ने 306 मुकाबलों में 52 शतक अपने नाम किए हैं। इस दौरान कोहली 14 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं। उन्होंने इस फॉर्मेट में 150 से ज्यादा छक्के लगाए हैं। वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर दूसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 463 मुकाबलों में 49 शतक लगाए। वहीं, रोहित शर्मा 277 वनडे मुकाबलों में 33 शतक लगाकर तीसरे पायदान पर मौजूद हैं। रिकी पोंटिंग ने 30, जबकि सनथ जयसूर्या ने 28 शतक लगाए हैं। यह खिलाड़ी क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। विराट कोहली टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। अब यह दाएं हाथ का यह बल्लेबाज सिर्फ वनडे फॉर्मेट में ही टीम इंडिया की ओर से खेलता नजर आता है। फैंस चाहते हैं कि कोहली वनडे विश्व कप 2027 में खेलें, लेकिन यह फैसला काफी हद तक कोहली की फिटनेस पर निर्भर करेगा। हालांकि, कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के बाद साउथ अफ्रीका के विरुद्ध रांची वनडे मैच में एक बार फिर से खुद को साबित किया है।

रोहित शर्मा बने वनडे में सिक्सर किंग

टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। रोहित अब वनडे क्रिकेट में 352 छक्कों के साथ इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। रोहित को इस मैच से पहले ये रिकॉर्ड बनाने के लिए 3 छक्कों की जरूरत थी। रोहित ने इस मामले में पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी (351) को पीछे छोड़ दिया है जो इससे पहले वनडे इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के (351) मारने वाले खिलाड़ी थे।

● CSK की पोस्ट पर दिया भावुक संदेश

फाफ डु प्लेसिस ने IPL को कहा अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस) ने इंडियन प्रीमियर लीग से अपना सफर आधिकारिक तौर पर खत्म कर दिया है। उन्होंने आईपीएल 2026 की नीलामी में पंजीकरण न कराने का फैसला किया है और अब वे पाकिस्तान सुपर लीग में नया अध्याय शुरू करने जा रहे हैं। इसी के साथ में उनके 14 साल लंबे करियर पर विराम लग गया।

डु प्लेसिस ने आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए नौ मैचों में हिस्सा लिया था। इससे पहले वे चेन्नई सुपर किंग्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान के रूप में और कई यादगार भूमिकाओं में नजर आए।

फाफ के नीलामी से हटने के बाद सीएसके ने अपने पूर्व सितारे को एक खास श्रद्धांजलि दी, जिसमें उनके चैंपियनशिप योगदान और शीर्ष क्रम पर निभाई महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया गया।

इस पोस्ट पर फाफ भावुक हो गए और कहा, 'मैंने हमेशा सोचा था कि मेरा अंत पीले जर्सी में ही होगा।' 'व्हिसल पोडू' फैन्स के साथ उनका यह रिश्ता आईपीएल इतिहास की सबसे भावुक खिलाड़ी-फ्रेंचाइज़ी बॉन्डिंग में से एक रहा है। आईपीएल

रिपोर्ट्स के अनुसार, डु प्लेसिस पीएसएल को एक नया चैलेंज मानते हैं। उन्होंने आईपीएल से दूरी को 'अंतिम विदाई' नहीं बताया, बल्कि भविष्य में लौटने की संभावना को खुले रूप में छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि यह उनके करियर का बड़ा फैसला है, लेकिन आईपीएल के दरवाजे हमेशा पूरी तरह बंद नहीं हैं। 14 सीज़न में फाफ ने कई मैच विजयी पारियां खेलीं और आईपीएल को कई यादगार लम्हें दिए।

आंद्रे रसेल ने आईपीएल से लिया संन्यास

केकेआर के साथ नई भूमिका में आएंगे नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे विस्फोटक ऑलराउंडर्स में से एक, आंद्रे रसेल ने आखिरकार आईपीएल से संन्यास की घोषणा कर दी। 12 सीज़न तक अपनी धमाकेदार हिटिंग, तेजतर्रार गेंदबाजी और मैच-बदलू प्रदर्शन से लीग में अपनी पहचान बनाने वाले रसेल अब च्यक्रके सपोर्ट स्टाफ में 'पावर कोच' की नई भूमिका निभाएंगे। 37 वर्षीय कैरेबियाई स्टार ने 2014 से कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कई यादगार जीत दिलाई और अब वे उसी फ्रेंचाइज़ी के साथ नए सफर की शुरुआत करने जा रहे हैं। यह फैसला उन्होंने मिनी ऑक्शन से ठीक पहले किया।

रसेल ने कहा आईपीएल को अलविदा, लेकिन केकेआर को नहीं

रसेल ने अपने आधिकारिक ङ्क पोस्ट में भावुक संदेश साझा करते हुए बताया कि वे आईपीएल से रिटायर हो रहे हैं, लेकिन दुनिया की अन्य टी20 लीग में खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने मजाकिया अंदाज़ में लिखा कि वे 'स्वैग से रिटायर नहीं हो रहे।'

इसके साथ ही उन्होंने यह साफ कर दिया कि वे केकेआर परिवार का हिस्सा बने रहेंगे– बस अब खिलाड़ी नहीं, बल्कि कोच के रूप में। उनके अनुसार, 'यह मेरा घर है, और मैं 2026 से केकेआर के पावर कोच के रूप में वहीं रहूंगा। नया रोल, वही ऊर्जा। '

पोलार्ड के रास्ते पर चले रसेल—अब कोच की भूमिका

आंद्रे रसेल के इस फैसले से वे वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड की राह पर चलते दिखाई देते हैं। पोलार्ड मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच हैं, जबकि दुनिया की अन्य टी20 लीग में सक्रिय भी हैं। रसेल ने कहा कि वे आईपीएल में अपनी चमक फीकी होने से पहले ही एक मजबूत विरासत छोड़ना चाहते थे और इसी कारण यह निर्णय सही लगा। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहता था कि लोग कहें कि मुझे यह फैसला सालों पहले कर लेना चाहिए था। रिटायरमेंट तब अच्छा लगता है जब लोग पूछें– 'क्यों? तुम अभी भी खेल सकते थे।' '

केकेआर मैनेजमेंट से लंबी बातचीत के बाद आया फैसला

रसेल ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने केकेआर के वेंकी मैसूर और टीम मालिक शाहरुख खान से इस नए रोल पर विस्तार से चर्चा की।

उनका कहना है कि फ्रेंचाइज़ी ने हमेशा उनका सम्मान किया और वे ऐसे वातावरण को छोड़ना नहीं चाहते थे। रसेल ने कहा, 'जब मैंने 'पावर कोच' के पद के बारे में सुना, तो लगा यह मेरे खेलने की शैली और मेरी ऊर्जा को सबसे बेहतर परिभाषित करता है।' उनका विश्वास है कि वे च्यक्रके युवा खिलाड़ियों को पावर-हिटिंग और ऑलराउंड स्किल्स में काफी कुछ सिखा सकेंगे।

अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी

टी20 क्रिकेट में लगाया तीसरा सबसे तेज शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पंजाब के विस्फोटक ओपनर अभिषेक शर्मा ने एक बार फिर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया। सिर्फ 12 गेंदों पर अर्धशतक लगाने वाले अभिषेक ने 32 गेंदों में सेंचुरी जड़कर घरेलू टी20 क्रिकेट में तहलका मचा दिया। हालांकि वे पुरुषों के टी20 क्रिकेट का सबसे तेज शतक बनाने का विश्व रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए, लेकिन भारतीय क्रिकेट में यह पारी उन्हें एक नई ऊंचाई पर ले जाती है। अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान 11 छक्के और 7 चौके लगाए जबकि पंजाब ने टूर्नामेंट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया।

अभिषेक शर्मा का धमाका—32 गेंदों में सेंचुरी: अभिषेक शर्मा अपनी अग्रेसिव बैटिंग स्टाइल के लिए जाने जाते हैं और इस मैच में उन्होंने इसे एक बार फिर साबित कर दिया। शुरुआती ओवर से ही उन्होंने गेंदबाजों पर हावी होकर खेलना शुरू किया और जल्दी ही पावरप्ले में मैच का रुख बदल दिया। 32 गेंदों में 11 छक्के और 7 चौकों की मदद से उन्होंने अपना शतक पूरा किया। यह पारी सिर्फ आक्रामक नहीं, बल्कि पूरी तरह नियंत्रित भी रही, जहां हर शॉट योजना के साथ खेला गया।

विश्व रिकॉर्ड से केवल 5 गेंद दूर रहे अभिषेक : भले ही अभिषेक की शतकीय पारी यादगार रही हो, लेकिन वे पुरुषों के टी20 इतिहास के सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड से कुछ कदम दूर रह गए। यह रिकॉर्ड एस्टोनिया के बल्लेबाज साहिल चौहान के नाम है जिन्होंने मात्र 27 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास बनाया था। अभिषेक 32 गेंदों में शतक बनाकर इस उपलब्धि के करीब पहुंचे, लेकिन रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए।

भारतीय क्रिकेट में तीसरा सबसे तेज ञ्20 शतक : अभिषेक शर्मा का यह शतक भारतीय क्रिकेट इतिहास में तीसरा सबसे तेज टी20 शतक है। इससे पहले वे खुद भी दूसरे सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड में संयुक्त रूप से शामिल थे। उन्होंने 28 गेंदों में टी20 शतक बनाने की उपलब्धि हासिल की थी, जो उर्विल पटेल के साथ साझा है। उर्विल पटेल ने 2024 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गुजरात की ओर से त्रिपुरा के खिलाफ यह रिकॉर्ड कायम किया था।

ला लीगा में बार्सिलोना ने अलावेस को 3-1 से हराया

● ओल्मो के दो और यामाल ने एक गोल किया; बार्सिलोना पॉइंट टेबल में टॉप पर

नई दिल्ली, एजेंसी। कैंप नोउ के स्टेडियम में खेले गए मैच में दानी ओल्मो ने दो गोल किए, जबकि लैमिन यामाल ने टीम के लिए एक गोल दागा। मैच की शुरुआत में अलावेस ने पहले ही मिनट में बढ़त बना ली थी। पहले हाफ में तीन गोल मुकाबले की शुरुआत बार्सिलोना के लिए हैरान करने वाली रही।

पहले ही मिनट में मार्क कासाडो की गलत क्लियरेंस का फायदा उठाकर विक्टर पराडा की पास पर पाब्लो इबानेज ने गोल कर दिया और अलावेस को 1-0 की बढ़त दिला दी।इसके बाद बार्सिलोना ने तेजी से वापसी की और रफीन्हा के क्रॉस पर यामाल ने बराबरी का गोल किया। हाफ टाइम से पहले दानी ओल्मो ने रफीन्हा की ही सहायता पर गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को बढ़त दिलाई।

दूसरे हाफ में बार्सिलोना की ओर से एक गोल दूसरे हाफ में यामाल ने एक बार फिर मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट पोस्ट से टकरा गया। अलावेस के लुकास बोये ने भी बराबरी का मौका गंवाया, जिसे पाउ कुबर्सी ने शानदार ब्लॉक से रोक दिया।

स्टेडियम में मौजूद करीब 45,000 दर्शकों ने पेड्री के दूसरे हाफ में लौटने पर जोरदार स्वागत किया। मैच के अंतिम क्षणों में यामाल की पासिंग से ओल्मो ने अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल दागकर जीत पक्की की। मैच के बाद ओल्मो ने कहा, पहले मिनट में हम चौंके, लेकिन पूरी टीम ने शानदार वापसी की।

टीम इंडिया की धमाकेदार जीत, ओमान को 17-0 से रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई में भारी बारिश के बीच खेले गए मुकाबले में भारतीय हॉकी टीम ने ओमान को 17-0 से बुरी तरह हराया. भारतीय हॉकी टीम के लिए ये जीत अंक हासिल करने और गोल अंतर में बेहतर होने के लिहाज से शानदार रही, लेकिन टीम के पेनल्टी कार्नर पर निराशाजनक प्रदर्शन से हेड कोच चिंता में हैं.

19 पेनल्टी कार्नर में सिर्फ 4 में सफल

भारतीय हॉकी टीम ने इस मुकाबले में कुल 19 पेनल्टी कार्नर हासिल किए थे, लेकिन इनमें से सिर्फ 4 को ही प्लेयर्स गोल में बदल पाए. ये दिखाता है कि पेनल्टी कार्नर में भारतीय हॉकी टीम को बहुत सुधार करने

फिर भी हेड कोच को क्यों हुई टेंशन?

की जरुरत है. हालांकि इसका एक कारण बारिश भी था, क्योंकि बारिश से ग्राउंड धीमा और भारी हो गया था. हालांकि दुनिया की नंबर 2 टीम से इससे बेहतर की उम्मीद की जाती है. पेनल्टी कार्नर की कमजोरी हाल ही में हुए सुल्तान ऑफ जोहोर कप में भी नजर आई थी.

15 मिनट के बाद पकड़ी रफ्तार

मेंस जूनियर वर्ल्ड कप में हुए इस मुकाबले के पहले 15 मिनट तक भारतीय प्लेयर्स कुछ खास मौका नहीं बना पाए, शुरुआत में ओमान के प्लेयर्स काफी तेज खेल रहे थे. लेकिन 15 मिनट के बाद भारतीय प्लेयर्स ने गियर बदलें और रफ्तार पकड़ी. भारतीय खिलाड़ियों के बीच तालमेल शानदार रहा, पासिंग गेम भी सटीक था. टीम इंडिया के प्लेयर्स ने अपनी 360 डिग्री स्पिन और रिवर्स हिट से ओमान के खिलाड़ियों को छकाया. चौथे मिनट में अर्शदीप ने अंकित पाल के शानदार पास से गोल दागा.

अर्शदीप, मनमीत और दिलराज ने दागे 3-3 गोल

पेनल्टी कार्नर में बेशक टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने निराश किया, लेकिन फील्ड गोल्ड में उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा. अर्शदीप सिंह , दिलराज सिंह और मनमीत सिंह ने 3-3 गोल दागे. अजित यादव, गुरजोत सिंह और इंगलेम्बा लुवांग ने 2-2 गोल किए. 29वें मिनट में अनमोल इक्का ने भी एक गोल किया.

भारत बेशक ओमान के खिलाफ बड़े अंतर से जीत गया, लेकिन फिर भी पेनल्टी कार्नर में ऐसे खराब प्रदर्शन को टीम इंडिया को सुधारना होगा. नॉकआउट राउंड से पहले भारत को इस पर काम करना होगा.

टी 20 सीरीज: लिटन दास की कप्तानी पारी, बांग्लादेश ने आयरलैंड को 4 विकेट से हराया

चटगांव, एजेंसी। बांग्लादेश ने सीरीज के दूसरे टी20 मुकाबले में आयरलैंड को 4 विकेट से हरा दिया है। जीत के साथ बांग्लादेश ने सीरीज 1-1 से बराबर कर दी है। बीर श्रेष्ठो फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतिउर रहमान क्रिकेट स्टेडियम, चटगांव में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश को जीत के लिए 171 रन की जरूरत थी जिसे टीम ने आखिरी ओवर की चौथी गेंद पर हासिल कर लिया। 171 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश के लिए कप्तान लिटन दास ने अर्धशतक लगाया।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे दास ने 37 गेंद पर 3 छक्के और 3 चौकों की मदद से 57 रन की धमाकेदार पारी खेली। लिटन दास ने दूसरे विकेट के लिए परवेज हुसैन इमोन के साथ 60 और तीसरे विकेट के लिए सैफ हसन के साथ 52 रन की साझेदारी की। इन दोनों साझेदारियों का टीम की जीत में अहम योगदान रहा था। 138 रन के स्कोर पर बांग्लादेश का तीसरा विकेट गिराने के बाद आयरलैंड ने वापसी की कोशिश की और अगले 19 रन के अंदर 3 विकेट गिराए, लेकिन मोहम्मद सैफुद्दीन ने 7 गेंद पर 17 और मेहदी हसन ने 3 गेंद पर 6 रन बनाकर टीम को 2 गेंद पहले जीत दिला दी। बांग्लादेश ने 19.4 ओवर में 6 विकेट पर 174 रन बनाकर मैच 4 विकेट से जीता। परवेज हुसैन इमोन ने 28 गेंद पर 43 और सैफ हसन ने 22 रन बनाए। आयरलैंड के लिए मार्क अडेयर और गारेथ डेल्ने ने 2-2 विकेट लिए। आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 270 रन बनाए थे। कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने 14 गेंद पर 2 छक्के और 3 चौकों की मदद से 29 रन और टिम टेक्टर ने 25 गेंद पर 2 छक्के और 4 चौकों की मदद से 38 रन बनाए।

इन दोनों के अलावा विकेटकीपर लॉर्कन टुकर ने 32 गेंद पर 4 चौकों की मदद से 41 और जॉर्ज डॉर्कवेल ने 21 गेंद पर 18 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए महेदी हसन ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए। तंजीम हसन साकिब और मोहम्मद सैफुद्दीन ने 1-1 विकेट लिए।

इशान किशन का शतक, अर्जुन तेंदुलकर लगातार तीसरी बार फ्लाप; झारखंड और हैदराबाद को मिली जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में अर्जुन तेंदुलकर को बतौर ओपनर एक नई भूमिका मिली है। लेकिन लगातार तीसरी बार वह फ्लाप साबित हुए हैं। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ मैच में पारी की शुरुआत करते हुए 13 गेंद खेलते हुए सिर्फ 7 रन बनाए। वह इससे पहले पिछली दो पारियों में भी 28, 14 रन ही बना पाए थे। दूसरी तरफ झारखंड के कप्तान इशान किशन ने त्रिपुरा के खिलाफ मुकाबले में 113 रन की शानदार शतकीय पारी खेली।

गोवा की तीन मैचों में दूसरी हार

गोवा ने अपना तीसरा मुकाबला हैदराबाद के खिलाफ खेला और उसे हार का सामना करना पड़ा। बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी में भी अर्जुन तेंदुलकर ने निराश किया। पिछले मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लेने वाले अर्जुन इस मैच में एक भी विकेट नहीं ले पाए। गोवा की टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 160 रन बनाए थे। जवाब में हैदराबाद ने 14 ओवर में ही तीन विकेट गंवाकर 166 रन बना लिए और मैच जीत लिया।

एचपीसीए ने मंडी की लेडी कांस्टेबल नेहा सैनी को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

● देहरादून और लखनऊ में संभालेंगी मोर्चा

देहरादून (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश पुलिस की महिला कांस्टेबल नेहा सैनी ने एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। एसपी ऑफिस मंडी में तैनात नेहा सैनी को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) की महिला अंडर-19 टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है।

मंडी (रजनीश)= हिमाचल प्रदेश पुलिस की महिला कांस्टेबल नेहा सैनी ने एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। एसपी ऑफिस मंडी में तैनात नेहा सैनी को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) की महिला अंडर-19 टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। नेहा सैनी 30 नवम्बर से 22 दिसम्बर तक देहरादून और लखनऊ में आयोजित होने वाले बीसीसीआई महिला अंडर-19 नैशनल वन डे मैचों में टीम का नेतृत्व करेंगी।

सुंदरनगर की रहने वाली नेहा सैनी का क्रिकेट से नाता काफी पुराना है। उन्होंने बताया कि जब वर्ष 2006 में हिमाचल में महिला क्रिकेट की शुरूआत हुई थी, तब उन्होंने खेलना शुरू किया था। वह 2006 से 2011 तक एक सक्रिय खिलाड़ी के रूप में मैदान पर डटी रहीं। खेल के प्रति उनके समर्पण के साथ-साथ उन्होंने देश सेवा को भी चुना और 2010 में पुलिस विभाग ज्वाइन किया। हालांकि, खाकी वर्दी पहनने के बाद भी उनका क्रिकेट प्रेम कम नहीं हुआ। क्रिकेट के मैदान पर अपने अनुभव का लाभ अब वे नई पीढ़ी को दे रही हैं।